आरती की वासना

Author: Aarti Sharma (aarti_34c_4u@yahoo.com)

यह कहानी एक बहुत ही सैक्सी औरत, “आरती” की है, जिसे मर्दों से चुदवाने का शौक था। फिर वोह मर्द चाहे कोई भी हो... सिर्फ़ उसकी चूत की आग को शाँत करने लायक होना चाहिए।

आरती की उम्र ४२ वर्ष थी पर दिखने में वोह ३४–३५ की ही लगती थी। उसने अच्छे खान–पान और कसरत के ज़रिए खुद को काफ़ी फिट और मेनटेन कर के रखा था। उसक ३६–२८–३६ का फ़िगर बहुत ही सैक्सी था। वोह बहुत ही फैशनेबल थी और हमेशा शिफॉन की पारदर्शी साड़ियाँ और स्लीवलेस ब्लाउज़ पहनती थी। उसके ब्लाउज़ हमेशा इतने लो–कट और छोटे होते थे कि उसके सामने खड़ा कोई भी इंसान उसकी सैक्सी चूचियाँ साफ़–साफ देख सकता था। आरती के तराशे हुए शरीर पे अगर कहीं माँस दिखता था तो वोह था सिर्फ़ उसकी चूचियाँ और उसकी गाँड और वोह इन दोनों का पूरा–पूरा फायदा उठाती थी। उसकी शादी से पहले और बाद में भी उसके अनेकों नाजायज़ सम्बंध रहे हैं। उसका पती नेवी में था और साल मे एक–आधे महीने के लिए ही घर आ पाता था। इसलिए आरती के लिए किसी से भी अपनी चूत चुदवाने में कोई बाधा नहीं थी। आरती की एक २१ वर्ष की बेटी थी, पूजा। पूजा भी दिखने में बहुत ही खूबसूरत और सैक्सी थी। पूजा को देख कर कितने ही लड़के आहें भरते थी और उसके नाम की मुठ मारते थे। आरती को अपनी अय्याशियों के आगे उसकी बेटी की ज़िंदगी में कोई रुचि नहीं थी। पूजा क्या पहनती है, क्या करती है, कहाँ आती–जाती है, इस सबसे आरती कुछ सरोकार नहीं था। अपनी माँ के रोक–टोक के बगैर पूजा की भी सिर्फ़ फ़ैशन और लड़कों में ही रुचि थी। पूजा दो साल से बी.ए फ़ाईनल इयर में ही अटकी थी। दोनों माँ बेटी की स्वच्छँद ज़िंदगी थी।

एक दिन पूजा के कॉलेज से आरती के लिए प्रिंसिपल से मिलने के लिए फोन आया। आरती को वैसे तो पूजा के कॉलेज और पढ़ाई–लिखाई से कोई सरोकार नहीं था पर फिर भी एक माँ होने के नाते उसने प्रिंसिपल से मिलने का फैसला किया। अगले ही दिन आरती पूजा के कॉलेज गयी। आरती ने जामुनी रंग की शिफॉन की साड़ी, नाभी से काफी नीचे बाँध कर पहनी हुई थी। उसके साथ ही उसने बहुत ही कसा हुआ लो–कट स्लीवलेस ब्लाउज़ और सफ़ेद रंग के बहुत ही ऊँची और पतली हील के सैंडल पहने थे। गले में मंगल–सुत्र था जो उसकी चूचियों की बीच की घाटी में टिका था। उसके लम्बे बाल उसके पीछे क्लिप में बँधे थे और उसके माथे पर मैचिंग बिंदी थी और माँग में हल्का सा सिंदूर भी था। ऐसा लग रहा था जैसे वोह अपनी बेटी के कॉलेज के प्रिंसिपल मिलने नहीं बल्कि किसी की शादी की पार्टी में आयी हो।

जब आरती कॉलेज पहूँची तो शाम के चार बज रहे थे। जब उसने चपड़ासी से प्रिंसिपल के बारे मे पूछा तो चपड़ासी ने आरती को प्रिंसिपल के ऑफिस तक ले जाने के पहले उसे सर से पाँव तक कामुक नज़रों से निहारा। चपड़ासी अंदर जा कर प्रिंसिपल, ज़हीर आलम, को आरती के आने की खबर दी। ज़हीर एक बहुत ही होशियार, ४५ वर्षिय आदमी था। वोह ६ फुट ऊँचा, चौड़ी छाती और अच्छे हट्टे–कट्टे शरीर का मालिक था। उसने अपने चपड़ासी, इमत्याज़ से आरती को अंदर भेजने को कहा और साथ ही आदेश दिया कि कोई भी डिस्टर्ब ना करे क्योंकि यह बहुत ही जरूरी मीटिंग थी। इमत्याज़ ने बाहर आकर एक बार फिर आरती को ऊपर–से नीचे तक निहारा और उसे अंदर जाने को कहा। वोह सोच रहा था कि इस सैक्सी औरत को देख कर ज़हीर की क्या प्रतिक्रिया होगी।

आरती ने दरवाजे पे नॉक कर के थोड़ा सा खोल के पूछा, "क्या मैं अंदर आ सकती हूँ? मैं आरती, पूजा की मदर, आपने मुझे बुलाया था।"

ज़हीर आलम की तो इतनी सैक्सी औरत को दरवाजे पे खड़ी देख कर बोलती बँद हो गयी। जामुनी रंग की शिफॉन की साड़ी में खड़ी इतनी खूबसूरत और सैक्सी औरत की बड़ी-बड़ी कसी हुए चूचियाँ और मादक होंठ देख कर उसे विशवास ही नहीं हुआ कि वोह पूजा की माँ हो सकती है। ज़हीर की नज़रें आरती की चूचियों पे टिकी थी और वोह आरती की सैक्सी प्रतिमा को अपनी आँखों में उतारने की कोशिश कर रहा था। जब आरती ने फिर से दरवाजे पे नॉक किया तो ज़हीर असलियत में वापस होश में आया और बोला, "आइये आइये आरती जी, आप पूजा की मदर हैं? मुझे लगा आप उसकी बहन हो इसलिए ज़रा हैरान था। वैसे आरती जी, मैंने बुलाया था आपको पूजा के बारे में कुछ बात करने। आओ अंदर आओ और प्लीज़ बैठो।"

कसे हुए लो-कट ब्लाउज़ में कैद अपनी बड़ी-बड़ी गोरी चूचियाँ ज़हीर को दिखाने के लिए आरती ने बैठते हुए अपना पल्लू थोड़ा सा गिरा दिया। ज़हीर को अपनी चूचियों को घूरते हुए आरती ने देखा तो वोह मन ही मन खुश हुई और फिर अपना पल्लू फिर से ठीक करते हुए बोली, "शुक्रिया, लेकिन हाँ मैं पूजा की मदर ही हूँ। बोलो क्या बात करनी थी आपको मेरी बेटी के बारे में सर?"

ज़हीर उसकी शिफॉन की साड़ी में से झाँक रही उसके छातियों के कटाव पे नज़रें गड़ाये हुए बोला, "आप ज़रा अपनी बेटी पर ध्यान दीजिए। पूजा पढ़ाई में बहुत कमज़ोर है और पिछले साल फेल भी हो चुकी है।"

आरती को ज़हीर का अपनी छातियों को घूरना बिल्कुल भी नहीं अखरा बल्कि उसने थोड़ा और झुक कर अपनी बाँयी चूंची से अपना पल्लू थोड़ खिसका दिया और बोली, "सर, वोह तो पहले से कमज़ोर है पढ़ाई में, लेकिन स्पोर्ट्स में अच्छी है। पिछले साल कबड्डी में उसकी वजह से कॉलेज को गोल्ड-मैडल मिला था... याद है ना?"

इस औरत को इतनी स्वच्छँदता से बर्ताव करते देख ज़हीर खुश हुआ। वोह अपनी आँखें आरती की बाँयी चूंची पे गड़ा कर बोला, “स्पोर्ट्स में तो वोह अच्छी है इसमें कोई शक नहीं आरती जी, पर वोह सिर्फ़ पढ़ाई में ही कमज़ोर नहीं बल्कि वोह गलत संगत की तरफ जा रही है।" यहाँ ज़हीर थोड़ा हिचकिचाते हुए बोला,"मेरा मतलब है कि वोह उन लड़कियों के साथ घूमती है जिनका चाल चलन ठीक नहीं। मैं कुछ लड़कियों को पनिश करने वाला हूँ, और पूजा का नाम भी पनिशमेंट लिस्ट में है। मैंने उन लड़कियों के परैंट्स को भी बताया है यह सब और आज आपको बता दे रहा हूँ। आप चाहें तो उसको ठीक कर सकती हैं। मुझे ऐसी लड़कियाँ नहीं चाहिए मेरे कॉलेज में।"

जब आरती ने ज़हीर को अपनी चूंची की तरफ घूरते हुए देखा तो उसे खुशी हुई। उसे भी ज़हीर एक सजीला और तँदुरुस्त मर्द लगा जिससे आरती की चूत में थोड़ी सी खुजली उठी और उसके निप्पल तन गये और चूंचियाँ थोड़ी कड़क हो गयीं। आरती ने सोचा कि अगर वो चाहे तो कुछ हो सकता है। अगर वोह ज़हीर को पटा ले तो पूजा तो पनिश होने से बच ही जायेगी पर साथ ही आरती की चूत को भी ज़हीर से चुदने को मिल जायेगा। आरती ने इस खेल को कुछ और देर जारी रखने का सोचा और अपने ब्लाउज़ के ऊपर से ही अपनी चूंची को खुजलया जैसे कि उसे खुजली हो रही हो। फिर ज़हीर की आँखों में गहरायी तक झाँकते हुए बोली, "अरे सर पूजा अब बच्ची थोड़ी है, अपना भला बुरा वोह अच्छे से समझती है। भले वोह उन लड़कियों के साथ रहती है जिनका चाल-चलन ठीक नहीं है, लेकिन मेरी बेटी का चाल-चलन तो ठीक है ना?" आरती फिर अपने दोनों हाथ टेबल पे रख के थोड़ा झुकी और अपनी चूचियों का अच्छा नज़ारा ज़हीर को दिखाते हुए बोली, "मेरी बेटी ने ऐसा क्या गुनाह किया है जिसके लिए आप उसको पनिश करने वाले हो सर?"

ज़हीर को आरती का आचरण देख कर लगा कि वोह उसे रिझाने की कोशिश कर रही है। ज़हीर एक गरम खून वाला पठान था जिसकी बीवी का ४ साल पहले देहाँत हो गया था। वैसे तो उसने अपनी शारीरिक इच्छाओं को काफ़ी काँट्रोल में रखा था और उसके अब तक सिर्फ़ कॉलेज की ही २-३ जवान टीचरों से सम्बंध बने थे पर कभी भी उसने किसी स्टूडेंट की माँ को चोदने की कल्पना नहीं की थी। उसके कॉलेज की टीचरों से सम्बंध भी खतम हो गये थे जब या तो वोह शादी कर के नौकरी छोड़ गयीं या उन्हें कहीं और अच्छी नौकरी मिल गयी। पर अब आरती का बर्ताव देख कर उसे लगा कि उसे कोशिश करनी चाहिए। उसे लगा कि आरती जैसी खूबसूरत और सैक्सी औरत के लिए थोड़ा खतरा मोल लिया जा सकता है। ज़हीर उठा और आरती के पीछे गया। आरती का ब्लाउज़ पीछे से भी बहुत गहराई तक कटा था और उसकी दूधिया सफ़ेद, गोरी पीठ और सैक्सी कमर देख कर वोह और भी उत्तेजित हो गया। ज़हीर आरती के बिल्कुल पीछे खड़ा हो कर बोला, "आरती जी यह पूछो कि पूजा क्या नहीं करती? क्लास बँक करके उन लड़कियों के साथ घूमती है जिनके अफ़ेयर्स हैं और कई बार लड़कों के साथ देर तक अकेले कैंटीन के पीछे रहती है।"

आरती भी खड़ी हो कर ज़हीर की तरफ़ घूम गयी। उसका गोरा-गोरा क्लीवेज और ब्लाउज़ के अंदर से एक चूंची साफ़-साफ़ दिख रही थी| आरते ने नीचे देखा तो ज़हीर की पैंट में उभार देख कर समझ गयी कि ज़हीर उसकी अदाओं की वजह से गरम हो चुका था। वे दोनों अब एक-दूसरे के बहुत नज़दीक थे। आरती थोड़ी मुस्कुराते हुए बोली, “अरे क्लास तो सभी बँक करते हैं, क्लास बँक किया तो क्या हुआ? और अगर वोह लड़कों के साथ बातें करती बैठती है तो इसमे उसपे एक्शन लेने की क्या ज़रूरत है?"

आरती की मादक अदाओं को देख कर ज़हीर ने मामला अपने हाथों मे लेने का निश्चय किया और आरती को बाँह से पकड़ कर सोफ़े की और ले गया।

आरती ने ज़हीर द्वारा अपनी बाँह पकड़े जाने का बिल्कुल विरोध नहीं किया। आरते को सोफे पे बैठा कर वोह भी उसके पास बैठ गया और आरती चेहरे के नज़दीक आ कर बोला, "यहाँ बैठो आरती जी, आप क्यों नहीं समझती कि मैं क्या कहना चाहता हूँ? पूजा वो सब करती है जो गलत लड़कियाँ करती हैं। मैं अब उसको कॉलेज से निकालने वाला हूँ, फिर जो होगा वोह आप और आपकी बेटी देख लेना। मेरे पास और कोई चारा नहीं है।"

आरती भी अब काफी गरम हो चुकी थी और ज़हीर की जाँघ पे हाथ रख कर बोली, "सर मुझे आप यह बताना कि वोह उन लड़कों के साथ ऐसा क्या गलत काम करती है? और सर आप उसको कॉलेज से मत निकालना प्लीज़।" अपना निचला होंठ दाँत से हल्के से चबाते हुए आरती आगे बोली, "ज़हीर जी आप चाहो तो उसकी हरकतों की सज़ा मुझे देना। आप बोलो मैं क्या करूँ जिससे मेरी बेटी को कॉलेज से नहीं निकालेंगे आप।" इतनी सैक्सी औरत को अपने इतनी नज़दीक पा कर ज़हीर के सब्र का बाँध टूटा जा रहा था। उसने आरती का चेहरा अपने हाथों में पकड़ा और बोला, "आपको क्या सज़ा दूँ? खूबसूरत औरतों को मैं कभी सज़ा नहीं देता, बल्कि उन्हें प्यार देता हूँ।" फिर अपने होंठ आरती के होठों पे रख के ज़हीर ने उन्हें चूमना शुरू कर दिया। आरती को खड़ी कर के ज़हीर ने उसके काँधे पर से उसका पल्लू हटा कर नीचे गिरा दिया। फिर आरती के होंठ चूमते हुए ही उसने आरती की साड़ी उसके पेटीकोट से अलग कर के दूर फेंक दी आरती को दोनों हाथों से थोड़ी दूरी पे पकड़ कर कठोरता से बोला, "लगता है साली छिनाल माँ की छिनाल बेटी है पूजा, बोल क्या सज़ा दूँ तुझे छिनाल। तू भी तेरी बेटी जैसी छिनाल है, मुझे सब खबर है।"

आरती ने बिल्कुल सोचा नहीं था कि ज़हीर इतनी जल्दी यह सब करने लगेगा पर वोह ज़हीर की हरकतों से खुश थी। फिर भी जानबूझ कर थोड़ी शर्म दिखाते हुए अपनी छातियों को अपने दोनों हाथों से ढक कर बोली, "शी... ज़हीर जी आप कितनी गंदी बात करते हैं। आप ऐसा क्यों कह रहे हैं

कि पूजा एक वैसी माँ की वैसी बेटी है? मेरी बेटी भी क्या ऐसा बर्ताव करती है ज़हीर जी? आप कहते हैं कि आपको सब खबर है... इसका क्या मतलब?"

ज़हीर आरती के हाथ उसके सीने से हटा के आरती के निप्पलों को दोनों हाथों की अँगुलियों से मसलने लगा और आरती आहें भरते खड़ी रही। आरती के निप्पलों से खेलते हुए ज़हीर ने आरती के ब्लाउज़ के सब हुक खोले और आरती के दोनों मम्मों को हल्के से मसलने लगा। दूसरे हाथ से आरती के पेटीकोट का नाड़ा खोल के ज़हीर ने उसे नीचे गिरा दिया। अब आरती ज़हीर के सामने सिर्फ ओपन ब्लाउज़, गुलाबी ब्रा पैंटी, और सफ़ेद रंग के पतली हाई हील के सैंडल पहने खड़ी थी। ज़हीर आरती का ब्लाउज़ उतार के बोला, "अब जैसे तू बिंदास हो के मेरे हाथों नंगी हुई है वैसे ही तेरी बेटी भी उसके बॉयफ्रैंड के सामने नंगी होती है... तो तुम माँ बेटी को छिनाल क्यों नहीं कहूँ? रही बात मेरी गँदी बातों की... तो सुन साली! तेरी जैसी औरत को गालियाँ सुनके चुदवाने में ही मज़ा आता है... यह मालूम है मुझे। मुझे खबर है तेरी बेटी उसके यार के साथ क्या-क्या करती है।" आरती भी बेशरम होके ज़हीर से लिपट गयी। ज़हीर उसको चूमते हुए उसके बदन को मसलने लगा। आरती खुद ज़हीर के शर्ट के बटन खोलते हुए बोली, "ज़हीर अब आप जो चाहे वोह सज़ा दो मुझे, लेकिन मेरी बेटी को कॉलेज से मत निकालना। आप कहते हो कि मेरी बेटी भी ऐसा करती है, क्या यह सच है ज़हीर जी?"

जैसे ही आरती ने ज़हीर की शर्ट खोल कर उतारी, वैसे ही ज़हीर ने भी आरती की ब्रा के हुक खोल कर उसकी ब्रा उतार दी। वोह आरती की बड़ी-बड़ी 36D साईज़ की बिना लटके हुए सिधी खड़ी चूचियों को देख कर दंग रह गया। आरती के निप्पल एक दम नोकिले और हल्के ब्राऊन रंग के थे और उनके आस-पास का घेरा २ रुपये के सिक्के के माप का था। असके निप्पलों को चूमते और चूसते हुए ज़हीर बोला, "साली पूजा भी एक रंडी

है और बहुत चुदवाती है... उसकी चूत देखी तो नहीं मगर मुझे पता है उसका चक्कर है लड़कों से और वोह खूब ऐश करती है। सुन आरती अब जब तू इतने प्यार से मुझे समझा रही है तो तेरी बेटी को कॉलेज से नहीं निकालूँगा बल्कि तेरी जवानी से पूजा को सज़ा ना देने की पूरी कीमत वसूल करूँगा।"

आरती के मम्मे मसलते और चूमते हुए ज़हीर उसकी गाँड पे हाथ फेरने लगा। आरती भी अपनी आँखें बँद करके ज़हीर की पैंट खोलने लगी और उसे नीचे करके उसने ज़हीर का लंड पकड़ लिया। उसे अब भी यकीन नहीं हो रहा था कि पूजा किसी लड़के से चुदवाती है। वोह ज़हीर का अंडरवीयर नीचे करके उसकी आँखों मै आँखें डाल के उसका नंगा लंड बिना देखे सहलाते हुए बोली, "नहीं नहीं... ज़हीर मेरी बेटी ऐसी नहीं है, आप झूठ बोल रहे हो। कौन लड़का है जिससे मेरी बेटी के शारीरिक सम्बंध हैं।" ज़हीर अपनी पैंट पैरों से निकाल के आरती के मम्मे मसलने लगा और आरती आहें भरते बोली, "उउफ़फ़फ़ फ़ ज़हीर आराम से मसल ना मेरे मम्मे, दर्द होता है। अब मैं पूरी कीमत दे रही हूँ तो प्यार से करो ना, दर्द क्यों दे रहे हो?"

ज़हीर ने बिना कुछ बोले आरती की पैंटी उतार के उसे पूरी तरह नंगी कर दिया। अब आरती सिर्फ अपने सफेद रंग के हाई हील्ड सैंडल्स पहने हुए थी और ज़हीर भी बिल्कुल नंगा था। आरती ने ज़हीर का लंड देखा तो थोड़ी डर गयी पर खुश भी हो गयी। ज़हीर का ९" लम्बा और ४" मोटा कटेला लंड उसे भा गया था और आरती उसका लंड सहलाने लगी। ज़हीर भी आरती की बिना झाँटों वाली नंगी चूत देख के खुश हुआ। जब उसने एक अँगुली आरती की चूत में घुसाई तो आरती की गीली चूत ने ज़हीर की अँगुली को दबोच लिया। ज़हीर आरती की गीली चूत में अँगुली करते हुए उसके मम्मे चूसने लगा और उधर आरती ज़हीर के गरम लंड को सहलाते हुए उसे प्यार करने लगी। आरती की चूत अँगुली से चोदते हुए ज़हीर

बोला, "साली आरती तेरी जैसी गरम माल को तो दर्द के साथ चोदना चाहिए, इससे मुझे भी मज़ा आयेगा और तुझे भी। अब तेरी रंडी बेटी की बात गयी भाड़ में... पहले मुझे पूजा की गरम माँ को जी भर के चोदने दे... बाद में तेरी बेटी की बात करेंगे राँड।"

ज़हीर अब आरती को सोफ़े पे बिठा के उसके सामने खड़े होके अपना लंड आरती के चेहरे पे घुमाने लगा। आरती उसका लंड पकड़के चूमते हुए कहने लगी,"ऊफ़फ़फ़ ज़हीर तेरा यह लंड तो बहुत मस्त और बड़ा और लम्बा है। मुझे दर्द तो नहीं देगा ना तू?" ज़हीर लंड आरती के लिप्स पे रखते बोला, "साली छिनाल! तुझे कबसे दर्द होने का डर है? क्या पहली बार इतना बड़ा लंड देख रही है तू... राँड? मुझे लगा तू बड़ी चुदक्कड़ औरत है और ऐसे बहुत लंड चूस चूकी है... क्यों? चल साली बहनचोद... चल चाट मेरा लंड हरामी।" ज़हीर की गालियों से आरती की चूत और गरम हो गयी। उसने कई लंडों से चुदाई की थी लेकिन ज़हीर जैसे किसी मर्द ने उसे इतनी गालियाँ पहले से ही देके और डॉमिनेट करके गरम नहीं किया था। आरती अब ज़हीर के लंड को मुठ मार के चूसने लगी। ज़हीर का लंड पूरा हलक तक लेके उसे चूसती हुई वोह ज़हीर की गोटियाँ भी मसलने लगी। ज़हीर ने आरती का सिर पकड़के उसका मुँह अपने लंड से मस्ती में चोदते हुए बोला,"हाँ ऐसे ही चूस मेरा लंड... राँड साली... तेरी बहन को चोदूँ... छिनाल। आआआहहहह चूस मेरा लंड और गोटियाँ भी मसल हरामी राँड। साली तेरी चूत बड़ी गरम लगती है... इसलिए इतनी जल्दी मुझसे चुदवाने को तैयार हो गयी तू।" ज़हीर का लंड चूस के आरती उस गीले लंड को मुँह से निकाल के अपने चेहरे पे घुमाते हुए बोली, "ऊम्म्म्म्म... बड़ा मस्त लंड है तेरा ज़हीर, तेरा मुसलमानी लंड चूसने में मज़ा आ रहा है मुझे। हाँ ज़हीर मैं बड़ी गरम औरत हूँ और तेरे जैसे गरम मर्द के सामने यह राज़ मैं छिपा नहीं सकती... मेरी चूत तो हमेशा चुदने को तैयार रहती है... मेरे राजा। तेरा यह लंड देखके मैं बड़ी खुश हुई ज़हीर। दिल करता है यह लंड हमेशा चूसती और उससे चुदवाती रहूँ।"

आरती ने फिर ज़हीर की गोटियों को चूसा और आरती से गोटियाँ चूसवाने में ज़हीर को बहुत अच्छा लगा। ज़हीर की गोटियाँ चूसने के बाद आरती ने फिर लंड मुँह में लेके उसे मस्ती से चूसते हुए अपना मुँह चुदवाने लगी। अब ज़हीर से रहा नहीं गया और अपना लंड आरती के मुँह से निकल के, आरती को उठा के नीचे कारपेट पे लिटा के उसकी टाँगें खोलके और उनके बीच बैठ गया। अपना लंड आरती की गरम चूत पे रखते हुए ज़हीर बोला, "बहनचोद रंडी... देख तुझे कैसे चोदता हूँ। तेरी बहन की चूत चोदूँ हरामी राँड साली... तू आज मेरा लंड लेके ज़िंदगी भर उसे याद करती रहेगी।" आरती भी बेशरम होके ज़हीर का लंड अपनी चूत पे रख के बोली, "हाँ चोद डालो मेरी गरम चूत ज़हीर... जबसे तुझे देखा, मेरा अपने दिल पे काबू नहीं रहा। मुझे ऐसे चोद कि मैं तेरी गुलाम बनके रहूँ राजा। ऐसे ही मेरे ऊपर आके मेरी चूत अपने तगड़े मुसलमानी लंड से चोद।"

ज़हीर आरती की दोनों टाँगें उठाके चूत को २ अँगुली से खोले लंड दबाने लगा। आरती की चूत उसे टाईट लगी और इसलिए लंड और ज़रा दबाके लंड की टोपी अंदर घुसा के बोला, "गाँडू साली... साली तेरी चूत तो अभी भी बड़ी टाईट है, लगता है पूजा के बाप ने तुझे ज़्यादा नहीं चोदा है।" ज़हीर का मोटा लंड घुसने से आरती को ज़रा दर्द हुआ और ज़हीर की कमर पकड़ के वोह बोली, "ज़हीर अब आराम से डाल नहीं तो मेरी चूत फटेगी। यह बात बराबर है कि मेरा पती मुझे ज्यादा नहीं चोदता है लेकिन यह बात तुझे कैसे पता चली? आआआआहह ज़...हीईई..र मेरीईईई चूऊऊऊ..त गयीईईईई। मुझे बहुत दर्द हो रहा है... मैं मर गयीईईईई मेरीईईई चूत फट गयीईईई जहीईई...र।"

ज़हीर ने आरती की बातों पे ध्यान दिये बिना एक धक्का और मारा और आधा लंड आरती की गरम चूत में घुसा दिया। दोनों हाथों से आरती के मम्मे मसलते हुए वोह बोला, "नहीं फटेगी रानी,त ेरी चूत अभी भी बड़ी टाईट और जवान है, बड़े सम्भाल कर रखी है तूने अपनी चूत।" आरती को दर्द

अभी भी हो रहा था और वोह अपनी कमर सोफ़े में दबा के ज़हीर से दूर होने लगी तो ज़हीर उसके मम्मे ज़ोर से दबा के बोला, "बहन की चूत तेरी... छिनाल नखरे मत कर साली छिनाल... ज़रा चूत उठा-उठा कर धक्के ले अंदर।" ज़हीर ने आरती की गाँड के पीछे हाथ डाल के उसे उठाया और एक धक्का और मारके पूरा लंड आरती की चूत में घुसा के आरती को टाईट पकड़ के रखा जिससे दर्द होने पे आरती उसके हाथों जा नहीं सके। आरती नीचे मचल रही थी लेकिन ज़हीर ने उसे टाईट पकड़ा था। इसलिए वोह कुछ कर नहीं सकी। ज़हीर ने ८-१० धक्के मार के आरती की चूत पूरी तरह खोल दी जिससे आरती का दर्द भी कम होने लगा। ज़हीर अब आरती की चूत ज़ोर-ज़ोर से चोदने लगा। आरती ज़हीर के मुँह में अपना एक निप्पल दे के चूत उठा-उठा की चुदवाने लगी और बोली, "उउउफ़्फ़्फ़्फ़ ज़हीर तेरा मुसलमानी लंड बड़ा तगड़ा है, मेरी तो साँस ही बँद कर डाली तूने। लेकिन अब जी भरके चोद मुझे राजा।"

ज़हीर नीचे से आरती की गाँड उठाके पकड़के उसे चोदने लगा। आरती भी ज़हीर को जकड़ के उससे चुदवाते हुए बोली, "ज़हीर और चोद मुझे, मज़ा आ रहा है तेरे मुसलमानी लौड़े से... ले चोद ले पूजा की माँ को और हम दोनों की हवस ठंडी कर... बोल ज़हीर कैसी है तेरी स्टूडेंट पूजा की माँ की चूत... पसंद आयी तुझे राजा?" ज़हीर अब मस्ती से आरती की चूत को चोदने और उसकी क्लिट को लंड से रगड़ने लगा और उसकी गोटियाँ आरती की गाँड से टकराने लगीं। आरती के मम्मे मसलते हुए वोह बोला, "आरती साली... हवस बुझानी है तो दिल और गाँड खोल के चुदवा राँड...। तेरी जैसी गरम औरत को आज पहली बार चोद रह हूँ। बहनचोद बड़ी लाजवाब चूत है तेरी आरती। मुझे मेरी स्टूडेंट पूजा की माँ बहुत पसंद आयी इसलिए आज से तू पूजा कि माँ भी है और मेरी मेरी रंडी भी... समझी? बहन की चूत साली... आरती... तुझे अपनी रखैल बनाके रखूँगा।"

आरती चुदाई से मदहोश होके अपनी चूत उठा-उठा के चुदवाने लगी।

उसके ज़ोरों से हिलते मम्मे ज़हीर बेरहमी से मसल रहा था। ज़हीर की झाँटों में हाथ घुमाते हुए आरती कहने लगी, "ऊफ्फ्फ ज़हीर मैं तेरी रंडी बनने को तैयार हूँ पर मैं तेरी रंडी कैसे बनूँगी? मैं तो एक शादी शुदा औरत हूँ। तू मुझे रंडी कैसे बनायेगा? और समझो कि अगर मैं तेरी रंडी बनी भी तो तेरी राँड बन के मैं क्या करूँगी?" ज़हीर अब लम्बे-लम्बे धक्के मारते हुए आरती को चोदते हुए बोला, "बहनचोद साली... शादी शुदा हुई तो क्या हुआ, तू मेरी रखैल है। आज के बाद मैं जब चाहूँगा तुझे चोदूँगा। तुझे चाहिए तो मैं पैसे भी दूँगा और तेरे हिजड़े पती ने घर से निकाल दिया तो तुझे और तेरी बेटी को मैं सहारा दूँगा। तू हमेशा मेरी दासी बनके रहेगी और मेरा लंड तेरे नंगे बदन का मालिक होगा... यह याद रख।"

आरती ज़हीर के मुँह से इतनी गंदी बात सुनके और भी मस्ती से चुदवाने लगी। उसे अच्छा लगा जब ज़हीर ने उसे रखैल बनाने की बात की तो। वोह ज़हीर को चूमते हुए बोली, "हाँ ज़हीर मैं तेरे मुसलमानी लौड़े की रंडी हूँ, अब तू जब चाहे मुझे बुला और मै आके तेरे इस लंड की दासी बनके तुझसे चुदवाऊँगी। रही बात मेरे पती की तो उसे मेरी इन हरकतों के बारे में कुछ पता नहीं... इसलिए तू उसके बारे में कोई चिंता मत कर। और ज़ोर से चोद मुझे... मेरे ज़हीर राजा... पर एक बात याद रखना... मैं बहुत चुदास औरत हूँ और सिर्फ एक लंड के सहारे नहीं रह सकती... मैं तेरी रंडी बनूँगी पर जिससे भी चाहूँगी चुदवाऊँगी।"

अब दोनों जिस्म घमसान चुदाई कर रहे थे। आरती की गरम चूत को ज़हीर अपने कड़क लंड से बड़ी बेरहमी से चोदते हुए उसके निप्पल चूसके मम्मे मसल रहा था। आरती ज़हीर को कसके पकड़ के चूत चुदवा रही थी। ज़हीर भी जोश में उसे चोद रह था। ज़हीर का लंड आरती की चूत में पूरी गहरायी तक जाके टकरा रहा था। जब ज़हीर को एहसास हुआ कि वोह झड़ने वाला है तो वोह आरती को और कसके पकड़के चोदते हुए बोला, "आआहहह बहन चोददददद... राँडडड... यह ले सालीईईईई... मुसलमानी

लंड का पानीईईई। कसम से क्याआआआ... चूऊऊऊ...त है तेरीईईई...।" और आरती की चूत में ज़हीर का लंड रंडी की तरह चोदते हुए झड़ने लगा। उधर आरती भी झड़ना शुरू हो गयी। कसके ज़हीर को बाहों में भरके झड़ते-झड़ते वोह वोह चिल्लाई, "आआआआहहहह उउउफ्फ्फ मज़ाआआआ आआआ....याआआआ राजाआआआ और घुसाआआ तेराआआ लंड।" ज़हीर भी पूरी तरह लंड आरती की चूत में घुसाके झड़ गया और आरती की चूत ज़हीर के लंड के पानी से भर गयी। वोह दोनों हाँफ़ते-हाँफ़ते एक दूसरे के आगोश में लेट गये।

ज़हीर और आरती नंगे ही अपनी कमर सोफे पे टिकाये कारपेट पे बैठ गये। आरती को अच्छी तरह से चोदने के बाद और उसकी चूत अपने लंड-रस से भरने के बाद ज़हीर ने अपना लंड और आरती की चूत की। अब आरती को सिर्फ सैंडल पहने हुए नंगे बैठने में थोड़ी शरम आ रही थी और वोह अपने कपड़े पहनना चाहती थी पर ज़हीर ने उसे एक कतरा भी और पहनने नहीं दिया। फिर आरती भी बेशरम हो गयी और ज़हीर अपना सिर आरती कि नंगी जाँघों पे रख के लेट गया। ज़हीर उसके निप्पलों पे चुटकी काटते हुए हुए खेलने लगा और उसकी चूचियों को मसलने लगा। आरती भी ज़हीर के लंड को पकड़ के सहलाने लगी... इसी लंड से उसकी थोड़ी देर पहले शाही चुदाई हुई थी। दोनों ही भूल गये थे कि यह कमरा कॉलेज के प्रिंसिपल का ऑफिस है। इतनी शाम तक स्टूडेंट्स तो चले गये थे पर कर्मचारी विभाग के लोग अभी भी कॉलेज में हो सकते थे। लेकिन प्रिंसिपल होने की वजह से ज़हीर को इस बात का डर नहीं था कि कोई उसकी अनुमति के बगैर उसके ऑफिस में आ सकता है।

आरती प्यार से ज़हीर के बालों में हाथ घुमाते हुए दूसरे हाथ से ज़हीर का लंड सहला रही थी और ज़हीर अब मुड़ के आरती की चूत हल्के से किस करते हुए उसके निप्पल से खेल रहा था। आरती को ज़हीर का चूत पे किस करना अच्छा लग रह था। एक हाथ से उसका लंड सहलाते और दूसरे हाथ

से उसका सिर अपनी चूत पे दबाते हुए आरती प्यार से बोली, "ज़हीर डार्लिंग अब तो तू मेरी बेटी को कॉलेज से नहीं निकालेगा ना? देख तूने उसको पनिश नहीं करने की जो प्यारी सज़ा मुझे दी वोह मैंने खुशी-खुशी स्वीकार की, अब मेरी बेटी को प्लीज़ पनिश मत करना।" ज़हीर आरती की टाँगें फ़ैला के उसकी चूत को किस करते हुए बोला, "मेरी प्यारी रंडी चूत... अब तेरी बेटी को कॉलेज से नहीं निकालूँगा पर अभी तेरी सज़ा पूरी नहीं हुई। अभी तेरी गाँड भी मारनी है... तब तेरी बेटी को कॉलेज से नहीं निकालूँगा... समझी?"

ज़हीर अब उसकी चूत जीभ से चाटने लगा। चूत को चाटते हुए ज़हीर आरती की चूत को अपनी जीभ से चोदने लगा और उसकी चूत का पानी चाटके जब उसने आरती की चूत के दाने को हल्के से चबाया तो आरती उछलते हुए उसका सिर अपनी चूत पे दबाते हुए बोली,"ऊफ्फ्फ्फ ज़हीईई...र यह क्या कर रहे हो? मेरी चूत का दाना ऐसे मत काटो नहीं तो मैं फिर से गरम हो जाऊँगी।" ज़हीर उसके मम्मे मसलते हुए बोला, "आरती चूत... मैं भी यही चाहता हूँ कि तू फिर गरम हो ताकि अब तेरी यह मटकती गाँड मार सकूँ। तेरी बहन की चूत साली... क्या मस्त गाँड है तेरी, ऐसा लगता है लंड हमेशा तेरी गाँड में ही डालके रखूँ।"

ज़हीर फिर आरती की चूत हाथों से फ़ैला के चाटने लगा और आरती उसका लंड मसलने लगी। ज़हीर का हाथ अपने मम्मों पे रखते हुए आरती बेशरम होके बोली, "ठीक है, मेरी बेटी कि सज़ा माफ करवाने के लिए मैं तुझसे गाँड मरवाने को तैयार हूँ। ज़हीर अगर तूने मेरी बेटी को कॉलेज से नहीं निकाला तो मैं तुझे और एक चीज़ दूँगी, लेकिन पहले मुझे यह बता कि मेरी बेटी किससे चुदाती है?"

ज़हीर आरती की चूत चाटके और उसे गरम करके उठ के बैठ गया और आरती के दोनों मम्मे खींचते हुए उसे अपनी गोदी में लिटा के बोला "आ

इधर लेट जा राँड। देख साली रंडी... अब सौदा करने लगी। हलकट साली... तू अब और क्या चीज़ देगी मुझे... तेरी बेटी की सज़ा माफ़ करवाने की? रही बात तेरी बेटी कि तो मेरी रंडी... थोड़ा और सब्र कर, फिर तुझे सब बताऊँगा।"

आरती बेशरम होके ज़हीर की जाँघों पे सिर रख के लेट गयी। फिर ज़हीर का लंड थोड़ी देर चूस के वोह ज़रा-सी ऊपर होके अपने मम्मों के बीच ज़हीर का लंड लेके उसे मसलते हुए बोली, "ज़हीर और कितना सब्र करूँ? क्यों तड़पा रहे हो मुझे, प्लीज़ बताओ ना पूजा के बारे में।" ज़हीर की खुली टाँगों पे लेट के आरती अपने मम्मे उसके लंड से चुदवाने लगी। ज़हीर उसकी गाँड थप-थपाते हुए बोला, "आरती तेरी बेटी को २ लड़के चोदते हैं, साली छिनाल बन गयी है तेरी बेटी। मैंने सुना है कि तेरी लड़की उन लड़कों के साथ बहुत चुदवाती है। तुझे बताऊँ वो लड़के तेरी बेटी के साथ क्या करते हैं?" मम्मों से बाहर आये लंड की टोपी चूमते हुए आरती बोली, "क्या बोलते हो ज़हीर? मेरी पूजा को २-२ लड़के चोदते हैं? क्या तू सच बोल रहा है? बता मुझे मेरी बेटी को वोह लड़के कैसे चोदते हैं।" आरती बेशरम हो के ज़हीर से अपनी बेटी की चुदाई के बारे में बात कर रही थी। ज़हीर आरती को खड़ी करके बोला, "अभी बताता हूँ कि पूजा कैसे चुदवाती है उन लोगों से। चल अब ज़रा सामने झुक जा कुत्तिया बनके रंडी... ऐसे झुक जैसे कुत्तिया झुकती है कुत्ते के सामने... ठीक है।"

आरती आगे जाके टेबल पे झुक गयी। ज़हीर ने जब पीछे से आरती को अपनी हाई हील के सैंडलों में अपनी गाँड मटकाते हुए चलते देखा तो उसका लंड फुफकारने लगा। आरती ने टेबल पे झुक के अपनी गाँड बाहर उघाड़ दी और उसके मम्मे आगे झूल रहे थे। आरती अपना हाथ पीछे ले जा कर अपनी गाँड खोलते हुए बोली, "यह ले ज़हीर तेरी आरती कुत्तिया बनके झुकी है तेरे सामने। लेकिन यह बता कि तू मेरी गाँड क्यों मारना चाहता है?" ज़हीर ने अपना लंड आरती की खुली गाँड के छेद पे रखा

===

और हाथ आगे बढ़ा के उसके झूलते हुए मम्मे पकड़ लिए और अपने लंड को आरती की गाँड पे दबाते हुए बोला, "वाह, तू बड़ी समझदार है रंडी... बिना बोले कुत्तिया बनके गाँड खोलके खड़ी हो गयी। तेरी गाँड इसलिए मारनी है क्योंकि मेरे मुसलमानी लंड को तेरी हाई हील सैंडलों में यह टाईट मटकती गाँड भा गयी और मेरा लंड तेरी गाँड की अकड़ निकालने के लिए तड़प रहा है। तुझे नहीं पता तेरी गाँड कितनी लाजवाब है। तेरी चूत, मम्मे, होंठ, गाँड और पूरा जिस्म, सब लाजवाब है। मैं तो इन हाई हील सैंडलों में तेरी चाल देख के ही मर गया था, सोचा कि अगर हो सके तो तेरी गाँड ज़रूर लूँगा... अब देख तेरी गाँड कैसे मारता हूँ छिनाल।"

ज़हीर ने फिर आरती की कमर पकड़के अपना लंड आरती के गाँड के छेद पे दबाया। आरती कि साँसें तेज़ हो गयीं और वोह धड़कते दिल से अपने होंठ दाँतों के नीचे दबा के ज़हीर के लंड के अपनी गाँड में घुसने का इंतज़ार करने लगी। क्योंकि ज़हीर का लंड बड़ा तगड़ा था और आरती ने इतने बड़े लौड़े से गाँड नहीं मरवायी थी कभी। लेकिन उसे खुशी भी मिल रही थी क्योंकि उसे ऐसा बड़ा लंड मिल रहा था। हाथ पीछे करके वोह ज़हीर का लंड पकड़के बोली, "ओहहहह ज़हीर इतनी अच्छी लगी मेरी गाँड तुझे? मैं इसिलिए तो हाई हील पहनती हूँ... मुझे पता है कि इनसे मेरी चाल सैक्सी हो जाती है और लोगों का ध्यान मेरी मटकती गाँड की तरफ खिंच जाता है... तुझे मेरी गाँड अच्छी लगी और तूने मेरी गाँड मारने की सोची... तो अब देख मैं तुझसे गाँड मरवाने जा रही हूँ और अब बार-बार तुझसे चुदवाके तुझे पूरा मज़ा दूँगी।"

आरती कि बात सुनके ज़हीर खुश हुआ और एक हाथ से आरती की कमर पकड़ के और दूसरे हाथ से उसके मम्मे ज़ोर से दबाते हुए लंड आरती की गाँड में घुसाने लगा। जैसे ही ज़हीर का लंड आरती की गाँड में घुसा तो आरती दर्द से छटपटाती हुई ज़ोर से चिल्लाने लगी, "आआआआआआहहहहहहहह ज़अ...हीईईई....र रह...म खाआआ.... मेरीईईई

===

गाँड गयीईईईई....। बहुत दर्द हो रहा है... प्लीज़ लंड निकाल मेरी गाँड से।" आरती यह भी भूल गयी कि वोह कॉलेज में है और कोई उसका चिल्लाना सुन सकता है और वही हुआ। आरती का चिल्लाना तब इमत्याज़ ने सुना और आ के दरवाजा नॉक करते हुए बोला, "सर, क्या हुआ? वोह पूजा की माँ क्यों चिल्ला रही है? कोई तकलीफ है क्या?" इमत्याज़ वैसे एक हरामी मर्द था। कॉलेज की कम्सिन लड़कियों को बड़ा छेड़ता था और कई लड़कियों को चोदा भी था उसने। आज आरती को देख के उसका भी लंड खड़ा हुआ था। उसे यह मलुम था कि ज़हीर आरती को चोद रहा था, क्योंकि उसे ज़हीर का रंगीन मिजाज़ मालूम था। उसने सोचा कि हो सके कि उसे भी मौका मिले आरती को चोदने का।

इमत्याज़ की आवज़ सुनके आरती डर गयी लेकिन ज़हीर बिंदास था। इमत्याज़ ने दरवाज़ा खटखटाया तो ज़हीर ने आरती की गाँड से लंड निकला और नंगा ही, कौन आया है देखने चला गया। गाँड से लंड निकल जाने से आरती को कुछ राहत मिली। आरती वैसे ही नंगी टेबल पकड़ के झुक के खड़ी रही। ज़हीर ने नंगे ही दरवाज़ा खोल के इमत्याज़ को देखते हे उसे अंदर बुला के दरवाज़ा बँद कर दिया। इमत्याज़ ने अंदर आके देखा कि जिस औरत को उसने सज-धज के आते देखा था वोह औरत अब सिर्फ सफ़ेद रंग के ऊँची हील के सैंडल पहने बिल्कुल नंगी ज़हीर साहब की टेबल पे कुत्तिया जैसे झुकी खड़ी है, उसके बाल थोड़े बिखर गये हैं, बिंदी गायब है और सिंदूर भी माँग में थोड़ा फ़ैल गया है। इमत्याज़ समझ गया कि ज़हीर साहब आरती की गाँड मार रही थे और उसी दर्द से आरती चिल्ला रही थी।

आरती इमत्याज़ को देख के अपना सीना दोनों हाथों से ढकते हुए बोली, "ज़हीर यह क्या है, इमत्याज़ को अंदर क्यों बुलाया तूने? प्लीज़ उसे बाहर भेजो, मुझे शरम आ रही है। ज़हीर प्लीज़, ऐसे मुझे दूसरों के सामने बे-इज़्ज़त मत करो" आरती खड़े हुए बहुत शरमा रही थी बल्कि शरमाने का

नाटक कर रही थी। आरती फिर आँख के इशारों से ज़हीर से बोली कि इमत्याज़ को बाहर भेज दे। ज़हीर ने आरती की बात पर ध्यान ना देते हुए आरती को पीछे से पकड़ कर फिर से झुका दिया और अपना लंड उसकी गांड पे रख के बोला, "इमत्याज़ आजा, देख आज यह नयी चूत मिली है, मै आरती की गाँड मारता हूँ... तू इसके मम्मे मसल के साली का मुँह चोद अपने लौड़े से। तू क्या समझती है साली... मैं ऐसा मौका जाने दूँगा? तू मेरी रंडी है तो जिससे चाहूँ तुझे चुदवा दूँगा... छिनाल... तु ही अकड़ के बोल रही थी ना कि एक लंड तेरे लिए बहुत नहीं है... तो ले अब दो लंड एक साथ मिल गये तुझे...। चल इमत्याज़ इस रंडी की चूचियाँ मसल।"

आरती की सैक्सी नंगी खूबसूरती को देख कर इमत्याज़ खुद को रोक नहीं पाया और आरती के पास आ कर उसकी चूचियों को अपने हाथों में पकड़ कर मसलने लगा। वास्तव में आरती को इन दो मर्दों के सामने खुद का सिर्फ सैंडल पहने नंगी मौजूद होना बहुत अच्छा लग रहा था। उसने अपनी ज़िंदगी में बहुतों से चुदवाया था पर एक साथ दो मर्दों से कभी नहीं चुदी थी। दो मर्दों से एक साथ चुदवाने का उसका हमेशा से अरमान था जो अब पूरा हो सकता था। पर क्योंकि यह पहली बार था इसलिए उसे थोड़ी झिझक और शर्मिंदगी हो रही थी। आरती फिर थोड़ा नखरा दिखाते हुए बोली, "उउफ्फ्फ्फ नहींईईईई प्लीज़ इमत्या..ज़ज़ज़ नहहहींईईईई मुझे जाने दो। प्लीज़ ज़हीर, इमत्याज़ के सामने मुझसे ऐसा सब कुछ मत करना, अपनी नादान बेटी की खातिर मैंने यह सब तेरे साथ किया, लेकिन इमत्याज़ को इसमें मत लेना। मुझे शरम आती है। प्लीज़ इमत्याज़ तुझे कसम है, मेरे बदन को छूना भी नहीं।" आरती को पता था कि उसकी बात कोई नहीं सुनेगा और वोह भी यही चाहती थी और झूठमूठ का नखरा कर रही थी।

दोनों मर्द आरती की बात अनसुनी करके अपना-अपना काम करते रहे। ज़हीर ने फिर से ज़ोर लगा के अपना लंड आरती की गाँड में घुसा दिया। आरती को दर्द हुआ लेकिन इस बार वोह दूसरे मर्द से अपने मम्मे

मसलवाने से इतनी गरम हो चुकी थी कि उसे दर्द का एहसास नहीं हुआ। आरती को अब मज़ा आ रहा था लेकिन वोह नाटक करते हुए बोली, “देखो इमत्याज़ मैं तेरी बहन जैसी हूँ, प्लीज़ ऐसा मत करो मेरे साथ। मुझे इतना ज़लील मत करो प्लीज़।" इमत्याज़ आरती के मम्मे बेरहमी से दबाते हुए बोला, "तेरी चूत को कुत्ते चोदें रंडी... साली खुद को मेरी बहन कहती है तू? छिनाल मेरी बहन तेरे जैसे रंडीबाज़ी नहीं करती। वोह बड़ी शरीफ़ लड़की है, उसे शरम और हया है। चुदक्कड़ साली... तू और तेरी बेटी रंडियाँ हो और कुछ नहीं... समझी? चुप हो जा आरती और छिनाल कि तरह चुदवा ले। मैं और ज़हीर साहब एक दूसरे की सब बात जानते हैं। भले हमने किसी लड़की को एक साथ नहीं चोदा लेकिन आज तुझे एक साथ चोदके वोह इच्छा भी पूरी करेंगे।" अब इस दुहरे धावे से आरती को और मज़ा आने लगा। तब इमत्याज़ ने भी अपनी पैंट उतार दी और उसका दमदार लंड देख के आरती और चुदासी हो गयी। भले उसका लंड ज़हीर जैसा नहीं था पर फिर भी काफी तगड़ा था और आज उसे एक साथ २-२ लंड मिलने वाले हैं, इस बात की उत्तेजना थी उस्से।

आरती अब ज़हीर के लंड पे अपनी गाँड आगे पीछे करने लगी जिससे ज़हीर को उसकी टाईट गाँड मारने में मज़ा आने लगा। ज़हीर आरती की कमर पकड़के अब उसकी गाँड मार रहा था। इमत्याज़ का लंड अपने हाथ में मसलते हुए और उसका सिर अपने मम्मे पे दबाते हुए और अपनी गाँड आगे पीछे करते हुए आरती बोली, "ज़हीर साले... मार मेरी गाँड और इमत्याज़ तू चूस मेरे मम्मे... आज अपने इन मुसलमानी लौड़ों से मेरी चूत और गाँड मारो तुम दोनों... इमत्याज़ आज ज़हीर ने मुझे अपनी रंडी बनाया था, अब मैं तेरी भी राँड बन गयी हूँ... वैसे भी मुझे हमेशा नए-नए लौड़ों कि तलाश रहती है... और ज़ोर से चोद मेरी गाँड ज़हीर... साले कुत्ते... मार ले अपनी कुत्तिया की गाँड.... ।"

ज़हीर पीछे से आरती की गाँड चोद रहा था और आगे से इमत्याज़ ने

आरती के मम्मे मसलते हुए अपना लंड आरती के मुँह पे रख दिया। आरती एकदम रंडी जैसे इमत्याज़ का लंड चूसने लगी। ज़हीर बड़ी बेरहमी से आरती की गाँड मारते हुए बोला, "तेरी बहन की चूत साली... हम दोनों भले अमीर गरीब हैं लेकिन एक दूसरे की रग-रग से वाकिफ़ हैं। चल यार इमत्याज़... इस चुदक्कड़ कुत्तिया को एक साथ चोद के इसे अपनी रंडी बनायेंगे।" ऐसी हालत में आरती अपने आप से बेहाल होती और इमत्याज़ का लंड चूसते हुए बोली, "उउउउउउफ्फ्फ्फ्फ्फ... ज़ही....ईईईईर हाँ मैं हूँ तेरी रंडी और अब मैं इमत्याज़ की भी छिनाल बनने जा रही हूँ... इमत्याज़ और दबा मेरे मम्मे और ज़हीर तू ज़ोर से मेरी गाँड चोद... मैं इमत्याज़ का लंड चूसती हूँ।"

Hindi Fonts By: SINSEX

इमत्याज़ का मोटा लंड आरती के मुँह में था जिसे आरती खूब मस्ती से चूस रही थी और ज़हीर का लंड उसकी गाँड पूरी तरह खोलके धक्के पे धक्के दे रहा था। ज़हीर अपना एक हाथ आरती की चूत पे ले गया और अपनी अँगुली से आरती की चूत और दाने को रगड़ते हुए उसकी गाँड मारने लगा।

आरती का पूरा बदन वासना की आग में जल रहा था। वोह इमत्याज़ के लंड को मुँह में चूसते बोली, "उफ्फ्फ मेरे मस्त लौड़ों... ऐसे ही चोदो मेरा मुँह और गाँड, इस चुदक्कड़ आरती का जिस्म आज से तुम्हारा है और जब चाहे जैसे चाहे इसे चोदो... ज़हीर मज़ा आ रहा है... मेरी चूत में खलबली मचा रहा है तेर हाथ... राजा उउउम्म्म्म्म.... ज़हीर अब इमत्याज़ को मेरी चूत मारने दे और तू गाँड मारता रह... मुझे आज एक साथ मेरी चूत और गाँड में मुसलमानी लौड़े चाहियें।"

"ठीक है साली छिनाल... आ जा... अब हम दोनों मिल के तेरी चूत और गाँड मारंगे... हमें भी तेरी जैसी मस्त छिनाल औरत चाहिए थी हमारी रखैल बनने के लिए और तू मिल गयी... अब देख कैसे तेरी गाँड और चूत का

भोंसड़ा बनाते हैं हम दोनों।" ज़हीर आरती की गाँड में लंड डाले हुए ही आरती को सोफ़ पे ले गया और उसे अपने ऊपर लिटा लिया। अब ज़हीर का लंड आरती की गाँड मैं था और आरती उसके लंड पे बैठ के उछल-उछल के अपनी गाँड मरवा रही थी। जब आरती ने अपनी टाँगें खोलीं तो उसकी बिना झाँट वाली चूत देख के इमत्याज़ खुश हुआ। इमत्याज़ अपना लंड मसलते हुए आरती की खुली जाँघों के बीच आया और आरती ने खुद अपनी चूत खोल के इमत्याज़ का लंड उस पे सटा दिया। इमत्याज़ आरती की चूचियाँ पकड़ के मसलते हुए अपना लंड उसकी चूत में पूरी ताकत से घुसेड़ने लगा। आरती एकदम उछल के चिल्लाते हुए बोली, "ऊउउउउईईईईईईईईईईईई..... माँआआआआ.... इमत्याआआ...ज़्ज़्ज़ मेरी चूत गयीईईईई.... इमत्याज़ आज फाड़ दे अपनी रंडी की चूत... ज़हीर मैं जन्नत में हूँ राजा... एक साथ मेरी चूत और गाँड में एक-एक लंड... मुझे बहुत अच्छा लग रहा है... और ज़ोर से चोदो मुझे तुम दोनों... मेरा पूरा जिस्म खूब मसल के चोदो मेरी चूत और गाँड।"

आरती अब इन दो मुसलमानों के बीच में सैंडविच बनके बड़ी खुशी से अपनी चूत और गाँड मरवा रही थी। नीचे से कस-कस के आरती की गाँड में धक्के देते हुए ज़हीर बोला, "चोद इमत्याज़, खूब कसके चोद इस साली राँड को... साली छिनाल... कैसे मस्ती से चुदवा रही है देख... मैं इसकी गाँड का भोंसड़ा बनाता हूँ तू इसकी चूत का भोंसड़ा बना डाल..." इमत्याज़ ऊपर से आरती की चूत चोद रहा था और नीचे से ज़हीर उसकी गाँड मार रहा था। अपने मम्मे इमत्याज़ से मसलवाते हुए आरती बोली, "इमत्याज़ फाड़ दे मेरी चूत अपने लौड़े से, और ज़हीर तू मेरी गाँड मारके मुझे अपने दोनों की छिनाल बना दे... इमत्याज़ चोद मुझे और मेरे मम्मे भी मसल ज़ोर से... इमत्याज़ तूने सपने में भी सोचा था कि तू मुझे चोद सकता है कभी? तू तो आज मुझे बहुत घूर के देख रहा था... क्यों?" बड़ी तेज़ रफ़तार से आरती की चूत चोदते हुए इमत्याज़ बोला, "आरती तेरा बदन... मेक-उप... तेरी हाई हील सैंडलों मे हिरणी जैसी चाल देख के सोचा था कि अगर तू

Hindi Fonts By: SINSEX

मिल जायेगी तो मज़ा आ जायेगा। मुझे मलूम था कि ज़हीर भाई तुझे ज़रूर चोदेंगे इसलिए मुझे बड़ी उम्मीद थी कि मैं भी तुझे चोद सकूँगा। अब तुझे चोद तो रहा हूँ मगर इतना मज़ा देगी ये पता नहीं था... तेरी चूत बड़ी टाईट है अभी भी मेरी रंडी जान।"

आरती दोनों मर्दों से हो रही चुदाई के झटकों के जवाब में अपनी चूत ऊपर नीचे करती हुई चुदाई का मज़ा ले रही थी। ज़हीर आरती की गर्दन पे काटते हुए बोला, "ले मेरी हसीन राँड... मेरा लंड ले अपनी गाँड में छिनाल कुत्तिया... आज के बाद तू मेरी पर्सनल रखैल है... इमत्याज़ इस छिनाल आरती कि जवान बेटी भी है... पूजा। आज जैसे आरती को अपनी रंडी बनाया है वैसे हम पूजा को भी हम दोनों की रंडी बना देंगे। वोह साली भी अपनी माँ जैसी छिनाल है... २-३ लड़कों से चुदवाती है... हम उसे भी चोदेंगे इमत्याज़।" अपनी बेटी के बारे में ऐसी बात सुनके कोई भी माँ नाराज़ होती लेकिन आरती बड़ी छिनाल औरत थी। ज़हीर के मुँह से ऐसी बात सुनके उसे ज़रा भी बुरा नहीं लगा, बल्कि वोह और मस्ती से चुदवाती हुई बोली, "ज़हीर मैं तैयार हूँ तेरी राँड बनने को... अगर हर दिन ऐसे तगड़े मुसलमानी लौड़े मिलें तो सिर्फ़ मैं ही नहीं मेरी बेटी भी तुम दोनों की राँड ज़रूर बनेगी लेकिन प्लीज़ अब तो मुझे बता मेरी बेटी को कौन-कौन चोदता है?"

ऊपर से इमत्याज़ आरती की चूत में ज़ोरदार धक्के लगाते हुए और उसके निप्पल चूसते हुए बोला, "आरती अब तुझे रोज़ ये तगड़े लंड चोदेंगे, बहनचोद तू ऐसी गरम माल है कि तेरे लिए तो अपनी बीवी को भी नहीं चोदूँ मैं। वैसे ज़हीर भाई इसकी बेटी को कौन चोदता है जो मुझे नहीं पता चला? मेरी तो इस कॉलेज में सब लड़कियों पे नज़र है। इसकी बेटी भी इसकी जैसी गरम माल है। मेरा दिल बहुत दिनों से है उसपे। अब उसकी माँ हमारे नीचे आ गयी है तो बेटी भी आयेगी।" फिर ज़हीर और इमत्याज़ एक साथ मुड़े जिससे अब ज़हीर ऊपर आ गया और इमत्याज़ नीचे। ऊपर आके

ज़हीर बड़ी बेरहमी से आरती की गाँड चोदते हुए बोला, "बेटीचोद रंडी, साली बड़ी हरामी है तू। खुद की हवस के लिए बेटी को भी हमसे चुदवाने को तैयार हो गयी... तो सुन रंडी... तेरी बेटी पूजा को राजेश और अलताफ़, कुत्तिया बना-बना के चोदते हैं। वोह दोनों पास के डिग्री कॉलेज में पढ़ते हैं। साली सिर्फ़ २१ साल की बेटी है तेरी है मगर गज़ब की चूत है। पूजा भी तेरे जैसी बड़ी रंडी किसम की चूत है आरती... और अब वोह हमारी रंडी भी बनेगी।"

अब ऊपर से ज़हीर से अपनी गाँड मरवाने में आरती को भी मज़ा आ रहा था। वोह अपनी गाँड उठा-उठा के चुदवाने लगी और बोली, "मतलब मेरी बेटी भी २-२ लौड़ों से चुदवाती है? और ज़हीर मेरी कम्सिन बेटी के बारे में ऐसा क्यों बोलता है तू कि वोह भी मेरी जैसी रंडी किसम की चूत है? वोह अभी नादान है... बच्ची है... इसलिए मुझे लगता है उन लड़कों ने उसे फँसा के चोदा होगा।" इमत्याज़ आरती का पसीने से भीगा हुआ सीन चूमते हुए बोला, "कुत्ता-चोद, साली... नादान कहती है अपनी बेटी को... वोह छिनाल २१ साल की है और एक साथ २-२ लौड़ों से चुदवाती है.... तो नादान बच्ची कैसे हुई... वोह तो तुझसे भी बड़ी रंडी है... ज़हीर भाई इस आरती रंडी की चूत इतनी लाजवाब है तो बेटी भी कमाल की होगी।" ज़हीर आरती की गाँड फैला के मारते हुए बोला, "आरती सुन छिनाल... अब हमें तेरी बेटी को भी चोदना है, यही नहीं हम दोनों तुम माँ बेटी को अपनी पर्सनल रंडियाँ बनाना चाहते हैं। तूने इनकार किया तो मैं तेरी बेटी को कॉलेज से निकाल दूँगा समझी?"

ज़हीर जब झड़ने के करीब आया तो वोह कस के आरती की गाँड मारने लगा। इमत्याज़ नीचे से आरती की चूत में अपना लंड पेलते हुए उसके हिलते मम्मे मसलने लगा। आरती भी एक साथ दो लंडों से चुदवा के अब बेशरम होके बोली, "ज़हीर अब मुझे ब्लैकमेल करने की ज़रूरत नहीं। अब जब मैं तुम दोनों से चुदवा रही हूँ और मुझे मालूम हुआ है कि मेरी बेटी

चूचियाँ राजेश और अलताफ़ द्वारा मसले जाने से इतनी बड़ी हो गयी हैं। आरती को एहसास हुआ की वोह अपनी काम–वासना और हवस बुझाने में इतनी खुदगर्ज़ हो गयी थी कि वोह यह भी भूल गयी कि उसकी एक जवान बेटी है जो अब शादी की उम्र की होने जा रही है और जिसे कुछ रोक–टोक के साथ–साथ किसी की जरूरत है जो उसे ज़िंदगी की अच्छाई–बुराई के बारे में बताये। पर फिर आरती को लगा कि अब वोह समय हाथ से निकल चुका है। यही बात सोच कर आरती ने पूजा को चोदने के लिए ज़हीर और इमत्याज़ को बुलाया था। अगर अब आरती पूजा को रोकने की कोशिश करती तो मुमकिन था कि पूजा बगावत कर देती और शायद पूजा को भी आरती के चाल–चलन का गूमान था जिससे आरती के लिए भी मुश्किल हो जाती। अब चुँकि पूजा की खुद की भी चुदाई कि हवस थी तो ज़रूरी था कि माँ बेटी में आपस में कोई मतभेद ना हो। आरती को पूजा की इस उम्र में चुदाई की बारे में सुन के अच्छा नहीं लगा था पर आरती को क्या हक था नाराज़ होने का जबकि आरती खुद पूजा से भी कम उम्र से चुदाई का आनंद उठाती आ रही थी। आरती का चालचलन देख कर उसके माँ–बाप ने जल्दी से उसकी शादी कर दी थी और पूजा कि उम्र में आरती माँ भी बन गयी थी।

उस दिन रविवार था जिस दिन आरती ने अपनी बेटी पूजा को चोदने के लिए ज़हीर और इमत्याज़ को बुलाया था। तय यह हुआ था कि जब वोह दोनों आयेंगे तो आरती घर पे नहीं रहेगी क्योंकि आरती की ना–मोजूदगी में पूजा को ब्लैकमेल कर के चुदाई के लिए फ़ुसलाना आसान होगा। सब कुछ ठीक देख कर सुबह ही आरती पूजा से यह कह कर क्लब जाने के लिए निकल गयी वोह दोपहर तक वापस आ जायेगी। आरती ने जानबूझ कर आपनी क्लब जाने की बात पूजा को पहले से नहीं बतायी थी क्योंकि नहीं तो पूजा अपने यारों को घर पे बुला लेती और आरती का अपने बेटी को ज़हीर और इमत्याज़ से चुदवाने का सब प्लैन चोपट हो जाता।

पूजा को भी लगा कि अगर उसे अपनी माँ के प्रोग्राम का पहले से पता होता तो राजेश या अल्ताफ़ को घर पे ही बुला लेती पर अब उसने सोचा कि वोह खुद ही उनके हॉस्टल में जा कर उन्हें मिलेगी। उसने तैयार हो के नीली स्कर्ट और लाल टी-शर्ट पहना। टी-शर्ट के नीचे उसने ब्रा नहीं पहनी थी क्योंकि जब ललचायी आँखों से लोग उसकी चूचियाँ और निप्पलों का उभार देख के आहें भरते थे तो उसे बहुत अच्छा लगता था। स्कर्ट के नीचे उसने लाल रंग की पैंटी पहनी थी जो उसके गोरे बदन पे खूब खिलती थी। अपनी लम्बी ज़ुल्फ़ें उसने खुली ही रखी थीं। पैरों में उसने पतली सी चाँदी की पायल और काले रंग के बहुत ही सैक्सी हाई हील के सैंडल पहने थे।

पूजा अभी बाहर निकलने को तैयार ही हुई थी कि ज़हीर और इमत्याज़ ने आ कर घंटी बजायी। पूजा ने खीझते हुए दरवाज़ा खोला तो सामने प्रिंसिपल और कॉलेज के चपड़ासी को देख कर आश्चर्य हुआ और थोड़ा डर भी गयी। पूजा ने उन्हें अंदर बुला कर दरवाजा बँद किया और उन्हें बैठने के लिए कहते हुए बोली, "अरे ज़हीर सर... आप और इमत्याज़... यहाँ मेरे घर कैसे? क्या कुछ काम था आपको मुझसे?" ज़हीर उसके शरीर पे अपनी हवस भरी नज़रें गड़ाते हुए बोला, "तेरी माँ नहीं है घर पे? आज हम तेरे बारे में ही बात करने आये थे तेरी माँ से।" पूजा को यह सुन कर सदमा सा लगा और वोह बोली, "नहीं सर, वोह बाहर गयी है। उससे क्या काम था आपको सर?" सोफे पे आराम से बैठते हुए दोनों अपने सामने खड़ी पूजा के बदन पे ही नज़रें गड़ाये हुए थे। इमत्याज़ पूजा की सैक्सी टाँगों को देखते हुए बोला, "पूजा... कॉलेज में अटैंडेंस और पढ़ाई ठीक नहीं चल रही तेरी... बहुत शिकायतें आयी हैं सर के पास... इसलिए इनको मिलना था तेरी माँ से।"

पूजा को एक पल के लिए झटका सा लगा जब इम्त्याज़ ने पढ़ाई ठीक नहीं चलने के बात की। क्या इन दोनों को उसके राजेश और अल्ताफ़ के साथ

के सम्बंध के बारे में पता था? क्या वोह कॉलेज के लड़कों के उस ग्रुप की तरफ इशारा कर रहे थे जिनके साथ वोह कैंटीन के पीछे बैठ कर चूमा-चाटी किया करती थी? पूजा ज़हीर की तरफ देखते हुए बोली, "सॉरी सर लेकिन आज के बाद आपको कोई शिकायत नहीं होगी मुझसे... मैं अब से पूरी अटैंडेंस दूँगी, पर प्लीज़ मेरी माँ से कुछ मत कहना, वोह बड़ी गुस्सेवाली औरत है... मुझे बहुत मारेगी वोह।" पूजा को पिछले साल की बात याद आ गयी जब पूजा के फेल होने पर आरती ने शराब के नशे में अपनी इतनी बड़ी जवान बेटी की बहुत पिटाई कर दी थी। पूजा की चूचियों को ललचाई नज़रों से देखते हुए इमत्याज़ बोला, "तू झूठ बोल रही है पूजा... हमें तेरे बारे में सब पता है। वैसे भी तेरा मामला बहुत खराब हो चुका है... इसलिए हमें तेरी माँ से मिल के उसे सब बताना ही होगा। अब जब तक तेरी माँ नहीं आती हम उसका इंतज़ार करेंगे।"

पूजा को इमत्याज़ पे गुस्सा आया क्योंकि उसने पूजा को कई बार लड़कों के साथ देखा था और पूजा ने देखा कि इमत्याज़ की आँखें उसकी चूचियों पे टिकी थीं। पूजा ज़हीर की और देखते हुए बोली, "क्या... क्या पता है इमत्याज़? और सर ऐसा क्यों कह रहे हैं आप कि मामला खराब हो गया है? कौन सा मामला खराब हुआ है? मुझे कुछ समझ में नहीं आ रहा है।" ज़हीर आरती को वासना भरी नज़रों से देखते हुए बोला, "पूजा तेरा चाल-चलन दिन-ब-दिन खराब हो रहा है, तू लेक्चर बँक करती है, अवारा लड़कों के साथ घूमती है... तेरी कम्पनी भी अच्छे लड़के लड़कियों से नहीं है... इसलिए मुझे तेरी माँ से मिलना है। मुझे तेरे जैसी स्टूडेंट नहीं चाहिए मेरे कॉलेज में।"

पूजा चौंक के उनको देखते हुए सोचने लगी, “इनको यह सब कैसे पता चला? शायद इस हरामी इमत्याज़ ने ही बताया होगा।” वोह डरते हुए ज़हीर से बोली, "माना मैं लेक्चर बँक करती हूँ पर मेरा चाल-चलन क्या खराब है? सहेलियों के साथ कैन्टीन में होती हूँ मैं... कहीं घूमने नहीं जाती।

प्लीज़ सर... इतनी छोटी सी बात के लिए मुझे क्यों पनिश कर रहे हो?" ज़हीर ने अब ज़रा गुस्से से पूजा को देखा और तब इमत्याज़ पूजा का हाथ पकड़के उसे खींचते हुए उन दोनों के बीच बिठाते हुआ बोला, "इधर बैठ हमारे पास... पूजा मैं तेरे बारे में सब जानता हूँ, मेरे मुँह से सुनेगी अपनी कहानी?" उनके बीच में गिरने से पूजा का स्कर्ट उठ गया। उसने जल्दी से अपना स्कर्ट ठीक किया पर तब तक उनको पूजा की गोरी जाँघों का दर्शन हो गया। पूजा अब घबराते हुए बोली, "देखो ना सर... यह इमत्याज़ कैसे बर्ताव करता है मेरे साथ। और इमत्याज़ क्या जानता है तू? मैंने कुछ भी किया नहीं तो क्यों झूठ बोल रहा है? कुछ भी बकवास मत कर समझा ना? क्यों ज़हीर सर को मेरे खिलाफ़ भड़का रहा है तू? कुछ है ही नहीं तो क्या बतायेगा तू?"

इमत्याज़ ने पूजा के कँधे प हाथ रखा और ज़हीर पूजा की कमर में अपना हाथ डालते हुए बोला, "अब पूजा मेरी बात सुनो, यह इमत्याज़ भड़का नहीं रहा मुझे। तेरे बारे में सब जानता है वोह। अगर इमत्याज़ झूठ बोल रहा है तो यह बता कि यह राजेश और अलताफ़ कौन हैं? राजेश और अलताफ़ से क्यों मिलती हो बार-बार? उनके साथ उनके घर, पिक्चर, गार्डन और कार में क्यों जाती दिखती हो?" पूजा ने इन दो मर्दों के हाथों को अपने बदन को सहलाते देखा तो थोड़ा डर गयी और उठने की कोशिश करने लगी लेकिन ज़हीर ने उसे उठने नहीं दिया। पूजा समझ गयी कि इनको सब बात मालूम हो गयी है पर फिर भी वोह ज़रा ऊँची आवाज़ में बोली, "अच्छा वोह राजेश और अलताफ़ की बात कर रहे हैं आप? क्या है ना सर यह राजेश और अलताफ़ की बहनें मेरी सहेलियाँ हैं... इसलिए कई बार उनसे मुलाकात होती है, और मैं उनके साथ आपको दिखती हूँ। बाकी जैसा आप सोच रहे हैं वैसा कुछ नहीं है। और प्लीज़ सर आप दोनों अपने हाथ हटाओ और मुझे जाने दो। यह आप दोनों क्यों मुझे हाथ लगा रहे हैं?"

ज़हीर पूजा की कमर सहलाते हुए बोला, "अच्छा तो उन दोनों लड़कों की

बहनें तेरी दोस्त हैं? पूजा अब तू झूठ भी बोलने लगी? अगर उनकी बहनें तेरी दोस्त हैं तो तू उन लड़कों के साथ कॉलेज कैन्टीन के पीछे हर दिन अकेली क्यों बैठी रहती है? तेरी सहेलियाँ क्यों नहीं होती तेरे साथ? इमत्याज़ ज़रा इसको बता दो कि हमें इसके बारे में क्या मालूम है, तभी इसकी आँखें खुलेंगी।" पूजा ने विनती भरी नज़रों से इमत्याज़ को देखा पर वोह अपने हाथों से पूजा के कँधे मसलते हुए बोला, "सर यह पूजा बिल्कुल झूठ बोल रही है क्योंकि राजेश या अलताफ़ की बहनें है ही नहीं। पूजा तो राजेश और अलताफ़ के साथ उनके हॉस्टल जाके अपनी जवानी लुटाने जाती है। वोह दोनों पूजा को एक साथ चोदते हैं... क्यों पूजा मैं सच कह रहा हूँ ना? उस दिन तू कार में भी कमर तक नंगी थी और अलताफ़ तेरे मम्मे मसलते हुए तुझे किस कर रहा था कि नहीं? सर पढ़ायी-लिखाई और शरम-हया छोड़ के ये साली २-२ मर्दों से चुदवाती है और अब कहती है कि ये कुछ नहीं करती। आप कहो तो राजेश या अलताफ़ को बुलाऊँ? वोह क्या सच या क्या झूठ है बतायेंगे।" फिर इमत्याज़ राजेश को फोन करने के लिए खड़ा हुआ।

पूजा समझ गयी कि उसका पोल खुल चुकी है। उसका सिर शरम से झुक गया। उसको पता था कि अगर ज़हीर सर राजेश ओर अलताफ़ को फोन केरेंगे तो वोह दोनों भी इमत्याज़ की बात को प्रमाणित करेंगे। पूजा को चुप देख कर ज़हीर अपना हाथ उसकी टी शर्ट के अंदर डाल के उसके पेट को सहलाते हुए बोला, "पूजा तू बोल क्या इमत्याज़ झूठ बोल रहा है? हम तीनों को मालूम है कि यह बात सच है कि तू उन दोनों से एक साथ मस्ती करती है... एक ही बिस्तर में। पूजा मुझे तेरी जैसी स्टूडेंट कॉलेज में नहीं चाहिए, तुम्हारे लिए अब अब एक ही रास्ता बचा है मेरे पास। मैं तुमको कल कॉलेज से निकाल दूँगा।" ज़हीर के शब्दों को सुन कर पूजा बिल्कुल सन्न रह गयी। वोह जानती थी कि अगर उसे कॉलेज निकाल दिया गया तो कोई दूसरा कॉलेज उसे एडमिशन नहीं देगा और उसकी ज़िंदगी खराब हो जायेगी। उसे यह भी डर था कि वोह अपनी माँ को और बाद में अपने डैडी

===

को क्या जवाब देगी। पूजा ज़हीर के पैरों पे गिर के विनती करने लगी, "नहीं सर ऐसा मत कहो प्लीज़। आज के बाद जो आप कहेंगे मैं वैसा ही करूँगी... मैं उन दोनों से कभी नहीं मिलूँगी लेकिन प्लीज़ आप मुझे कॉलेज से मत निकालना। अगर मेरी माँ को यह सब बात पता लग गयी तो वोह मुझे मार डालेगी... प्लीज़ सर आप ही कोई रास्ता बताओ।"

जैसे ही पूजा ज़हीर के पैरों पे झुकी तो पीछे से इमत्याज़ को उसकी टाईट लाल पैंटी दिख गयी। उसने ज़हीर को आँख मारी जो कि अब पूजा की चूचियाँ देख रहा था। इमत्याज़ आ के पूजा के पीछे खड़ा हो गया और बोला, "सर यह पूजा कभी नहीं सुधरने वाली, लेकिन अगर यह आपका कहना माने तो आप चाहो तो इसे माफ़ करो।" जब ज़हीर ने पूजा को सखती से देखा तो वोह फिर से माफी माँगते हुए बोली, "जाने दो ना सर, प्लीज़ मुझे अब और शरमिंदा मत करो, इस बार आप मुझे माफ़ करो, अगली बार मेरी तरफ से आपको कोई शिकायत ना होगी।" जब इमत्याज़ पूजा के पीछे आ कर खड़ा हुआ तो उसकी टाँग पूजा की गाँड से छू गयी। पूजा ने इमत्याज़ के तरफ देखा तो वोह बोला, "पूजा, सर तुझे किस शर्त पे माफ़ करें... बता? तू ऐसी क्या गारंटी देती है कि सर तुझ पे भरोसा रखें कि तू फिर से उन लड़कों पे अपनी जवानी नहीं लुटायेगी?" इमत्याज़ कि भाषा वास्तव में पूजा को गरम कर रही थी पर साथ ही उसे कॉलेज से निकाले जाने का डर भी था। वोह ज़हीर को देखते हुए बोली, "जो शर्त आप कहें, मैं आपका कोई भी कहना मानने को तैयार हूँ लेकिन मुझे कॉलेज से मत निकालो।"

ज़हीर पूजा का चेहरा हल्के से सहलाते हुए बोला, "इमत्याज़ तू बोल क्या करूँ? इसको कॉलेज से निकालना ही होगा ना?" इमत्याज़ ने अपने हाथ पूजा की कमर में डाल कर सहलाते हुए उसे खड़ा किया और बोला, "सर मैं इसको बताऊँ कि ये क्या कर सकती है हमारे लिए जिससे आप इसे कॉलेज से नहीं निकालेंगे?" ज़हीर ने अपना सर हिलाया तो इमत्याज़ पूजा

===

को अपनी तरफ घुमा कर उसकी चूचियों पे हाथ रखते हुए बोला, "पूजा साली बेवकूफ़ तू जितना राजेश और अलताफ़ के लिए करती है उतना तू ज़हीर सर के लिए करेगी तो सर तुझे माफ़ कर देंगे। तू जैसे अपनी जवानी उनपे लुटाती है वैसे ही हम पे लुटा तो सर सिर्फ़ तुझे माफ़ ही नहीं करेंगे बल्कि तुझे अच्छे नम्बरों से पास भी करेंगे।" इमत्याज़ की बातों और हरकतों से पूजा को धका तो लगा पर वोह समझ गयी के वो लोग उससे क्या चाहते हैं। पूजा सब समझती थी लेकिन उसे ऐसी उम्मीद नहीं थी कि ये दोनों वोह सब चाहेंगे। पूजा शरमाते हुई ज़हीर और इमत्याज़ के बीच खड़ी थी। वोह इतनी कनफ्यूज़ हो गयी कि उसने इमत्याज़ का हाथ भी अपनी चूचियों से नहीं हटाया। इमत्याज़ पूजा के मम्मे मस्ती से मसलने लगा और ज़हीर पीछे खड़ा होके दोनों हाथों से पूजा का स्कर्ट उठा के उसके पैंटी पे हाथ घुमाते हुए बोला, "एक मौका देता हूँ तुझे पूजा... अगर तू अपना यह हुस्न हमें देगी तो शायद तुझे कॉलेज से नहीं निकालूँगा। अब तू बता तेरा क्या इरादा है? बोल साली चुप-चाप हमसे चुदवाती है या तुझे कॉलेज से निकलूँ?"

पूजा को ज़हीर की भाषा सुन कर हैरानी हुई पर वोह ज़हीर का मक्सद समझ गयी। वोह थोड़ी पीछे हटी और दोनों मर्दों से बोली, "यह आप दोनों क्या कर रहे हो मेरे साथ? मुझे शरम आ रही है आपकी बातों से। आप जैसा बोल रहे हो वैसा कुछ नहीं होता राजेश और अलताफ़ के साथ मेरा। प्लीज़ सर कोई दूसरा तरीका बताना, मैं आपकी स्टूडेंट हूँ... ऐसा कैसे कर सकती हूँ?" ज़हीर ने पूजा के पास आ के उसकी गर्दन पकड़ के उसे अपनी तरफ खींच के उसके गाल चूम लिए। फिर पूजा के बदन को अपने से सटाता हुआ बोला, "साली तुझे मेरे मुँह से सुनना है ना कि वोह दोनों तेरे साथ क्या-क्या करते हैं? चल अब बताता हूँ तुझे सब बात।" पूजा ने कुछ जवाब नहीं दिया और ना ही उसने ज़हीर से दूर हटने की कोशिश की। इमत्याज़ पीछे से आ कर पूजा की गाँड सहलाने लगा। ज़हीर पूजा की चूचियों पे हाथ रखते हुए बोला, "इमत्याज़ ज़रा पूजा की स्कर्ट उतार।"

पूजा चौंकते हुए बोली, "नहीं सर प्लीज़, यह क्या कह रहे हैं आप? मेरी स्कर्ट क्यों उतारने को बोल रहे हैं आप?" ज़हीर ने पूजा की चूचियों को मसलना ज़ारी रखा और बोला, "साली चुप-चाप खड़ी रह। नाटक किया तो कॉलेज से निकाल दूँगा तुझे। क्या तू कॉलेज से निकलना चाहती है? इमत्याज़ हुक खोलके पूजा का स्कर्ट उतार।" पूजा बिना कुछ जवाब दिए चुप-चाप खड़ी रही। ज़हीर ने उसका टी-शर्ट ऊपर किया और पूजा के नंगे मम्मे देख के खुश हुआ। पूजा के कड़क मम्मे और ब्राउनिश गुलाबी निप्पल उसे भा गए। जैसे ही इमत्याज़ ने स्कर्ट के हुक खोले तो पूजा का स्कर्ट पैरों में गिर गया। पूजा आँखें बँद करके खड़ी थी और ज़हीर ने भी पूजा के बदन से उसका टी- शर्ट हटा दिया। अब पूजा सिर्फ़ एक लाल पैंटी और काले हाई हील के सैंडल पहने इन दो मर्दों के सामने शरमाते हुए खड़ी थी। अपने हाथों से पना सीन छुपा के पूजा बोली, "प्लीज़ सर, आप दोनों यह क्या कर रहे हैं? मुझे बहुत शरम आ रही है, मुझे जाने दो।" ज़हीर पूजा के मम्मे मसलते हुए बोला, "साली, तुझे शरम आ रही है? राजेश और अलताफ़ के सामने शरम नहीं आती? तब तो दिल खोलके चुदवाती है ना? आज तक उनसे चुदवाती थी... आज से हमसे चुदवा।" पूजा दोनों की हर्कतों से अब गरम तो हो गयी थी लेकिन फिर भी वोह ज़रा नखरे करते हुए बोली, "ऊम्म्म्म्म सर... यह सब मत करो... मैं वैसी लड़की नहीं हूँ। आप बार-बार उन दोनों का नाम क्यों ले रहे हैं? मैंने कुछ नहीं किया उनसे ऐसा वैसा... जैसा आप कह रहे हैं।"

इमत्याज़ पूजा की गाँड पे लंड रगड़ते हुए गुस्से से बोला "बहनचोद साली... राजेश और अलताफ़ तेरी चुदाई करते हैं... तेरी यह चूत, गाँड, मम्मे चोदते हैं, तू उनका लंड चूसती है और साली अब बोलती है कि तू उनके साथ कुछ नहीं करती। सर... यह पूजा बड़ी नखरेवाली लड़की है... साली अपने बदन की नुमाइश करती है और हम सब मर्दों का लंड खड़ा करती है। उन दोनों को भी अपने बदन के जलवे दिखा-दिखा के इसने ही

उकसाया और उनसे चुदवाती है... और अब हमसे अंजान बन रही है... बोल सच कह रहा हूँ ना मैं पूजा?" पूजा इमत्याज़ के मुँह से गालियाँ सुनके हैरान हुई, उसे अंदाज़ नहीं था कि सर के सामने इमत्याज़ ऐसी गंदी बातें करेगा। वोह ज़हीर की तरफ देखते हुए ज़रा नीची आवाज़ मैं बोली, "सर किसी ने आपसे झूठ कहा है... मैं उस तरह की लड़की नहीं हूँ। यह इमत्याज़ मेरे बारे में कुछ भी बोलता है। अब वोह लड़के मेरे पीछे पड़े हैं तो इसमें मेरा क्या कसूर? और इमत्याज़ तू ऐसी गंदी-गंदी बातें मत कर... सर देखो ना यह मुझे गालियाँ दे रहा है।"

इमत्याज़ पूजा की पैंटी नीचे खींच के उसकी गाँड मसलते हुए बोला, "तेरी माँ की चूत साली... और गालियाँ दूँगा तुझे, वही तेरी औकात है... चुदक्कड़ राँड... २-२ मर्दों से चुदवाती है और खुद को शरीफ समझती है... तेरी गाँड मारूँ रंडी साली... उन दोनों के साथ तेरी चुदाई की तस्वीर दिखाऊँ? अलताफ़ तेरी गाँड मार रहा था... उस वक्त की तस्वीर मैंने देखी है... बोल दिखाऊँ वोह तस्वीर रंडी?" अब पूजा समझ गयी कि इनको सब बातें मालूम हैं और ज्यदा नकारने से ज़हीर शायद उसे कॉलेज से निकाल भी सकता है। पूजा ने अपने सीने से हाथ हटा दिए और अपना एक-एक पैर उठा कर इमत्याज़ को अपने पैरों से पैंटी निकालने में मदद की। अब पूजा सिर्फ अपने काले हाई हील के सैंडल पहने बिल्कुल नंगी खड़ी थी और बहुत ही सैक्सी लग रही थी। ज़हीर उसके मम्मे मसलने लगा और तब पूजा बेशरम होके बोली, "नहीं नहीं सर... इमत्याज़ जो कह रहा है सही है... लेकिन प्लीज़ आप यह बात मेरी माँ को मत बताना... मैं आपका सब कहा मानूँगी। ऊउउउउउउम्म्म्म्म्म ज़हीईईई...र सर... प्लीज़ आरम से मसलो ना... मैं आप दोनों के साथ सब करने को तैयार हूँ... लेकिन प्लीज़ मुझे दर्द मत देना।"

ज़हीर और इमत्याज़ पूजा को छोड़ के जल्दी से खुद भी नंगे हो गये। उनके वोह मोटे लम्बे लंड देखके पूजा को डर भी लगा लेकिन खुशी भी हुई।

==

ज़हीर पूजा के निप्पल से खेलते हुए बोला, "क्यों साली अब समझ में आयी हमारी बात? बहुत नाटक कर रही थी... अब सब अकड़ निकल गयी तेरी पूजा... या और कुछ बाकी है?" अब भी थोड़ी शरमाते हुए पूजा बोली, "नहीं सर... अब जो आप बोलेंगे वही होगा, अब मेरी तरफ से आपको कोई शिकायत नहीं होगी, लेकिन सर यह सब करने के बाद आप मुझे कॉलेज से तो नहीं निकालेंगे ना?" तभी पीछे से इमत्याज़ पूजा की गाँड के छेद को अँगुली से सहलाते हुए बोला, "क्यों साली रंडी... अब क्या सौदा करेगी? चुदक्कड़ छिनाल पहले तुझे जी भरके चोद लेने दे... बाद में सोचेंगे कि तेरे लिए क्या करना है... समझी?"

पूजा इमत्याज़ के मुँह से ये गालियाँ सुनके शर्मा गयी। उसे कभी गालियाँ खाके चुदवाने की आदत नहीं थी क्योंकि राजेश और अलताफ़ उसे प्यार से चोदते थे... पर आज एक चपड़ासी की औकाद का आदमी उसे बातों से बे-इज़्ज़त कर रहा था वो भी उसके प्रिंसिपल के सामने और ज़हीर भी कुछ नहीं कह रहा था। इससे पूजा समझ गयी कि ज़हीर सर को भी यह सब अच्छा लगता होगा। पूजा ने तय किया कि वोह ज़हीर सर को शिकायात का कोई मौका नहीं देगी और उन दोनों से जैसे वोह चाहें वैसे चुदवा लेगी। वैसे भी उसे एक साथ २-२ लंड लेने की आदत थी। जब ज़हीर उसके निप्पल चूसने लगा तो पूजा भी बेशरम होके उसका मुँह अपने मम्मों पे दबाते हुए आँखें बँद करके सिसकरियाँ लेने लगी। पीछे से इमत्याज़ उसकी गाँड को अँगुली से सहलाते हुए पूजा का हाथ अपने लौड़े पे ले गया। पूजा उसका गरम लंड सेहलाते हुए बोली, "इमत्याज़ तू मुझे छिनाल क्यों बोल रहा है? मुझे शरम आती है ऐसी गालियाँ सुनके... प्लीज़ मुझे गालियाँ मत दो।"

इमत्याज़ अपनी अँगुली थूक से गीली करके आहिस्ता-आहिस्ता पूजा की गाँड में घुसाते हुए बोला, "अब ज्यादा नाटक मत कर रंडी, चुदक्कड़ साली... दोस्तों के साथ ना जाने कहाँ-कहाँ चुदवाती है और अब भी खुद को

==

अच्छी लड़की समझती है? साली तू सिर्फ़ अब एक अच्छी राँड है और कुछ नहीं... आज के बाद तू सिर्फ़ हमारी रखैल बनके रहेगी। हमें पता है कि तू कैसी लड़की है समझी? इसलिए चुदासी रंडी अब अपनी नकली शरम छोड़ और दिल खोलके हमसे चुदवा ले और देख कैसे हम तुझे उन चूतिया लड़कों से ज्यादा माज़ा देते हैं।" जब इमत्याज़ ने उसकी गाँड में अँगुली घुसायी तो पूजा ने उसका लंड कस के पकड़ लिया। आगे से ज़हीर उसके निप्पल चूसते हुए उसकी नंगी कमसिन चूत सहलाने लगा। पूजा अब इन दोनों मर्दों की हर्कतों से काफी गरम होने लगी थी। ज़हीर और इमत्याज़ के कड़क हाथ और लंड उसे बेकरार कर रहे थे।

पूजा ने भी अब बेशरम होना बेहतर समझा और खुद ही ज़हीर का लंड पकड़ लिया। अब पूजा एक साथ २-२ मुसलमानी लंडों को सहला रही थी। वोह दो मोटे-मोटे लंड पा के बड़ी खुश हुई। अब उसे डर सिर्फ़ इस बात का था कि कहीं इस चुदाई के दौरान उसकी माँ, आरती, ना आ जाये। ज़हीर के लंड को मुठ मारती हुई पूजा बोली, "ऊफ्फ्फ्फ.... सर कितना अच्छा लग रहा है आपका हाथ मेरे बदन पे। कैसा है मेरा बदन ज़हीर सर? ऊईईई... माँआआआ... सर आपका लौड़ा तो राजेश और अलताफ़ के लंडों से भी बड़ा है... मुझे दर्द तो नहीं होगा ना? सर मुझे डर इस बात का है कि कहीं हमे इस हालत में मेरी माँ ना देख ले, अगर हमारे इस खेल के दौरान मेरी माँ क्लब से आ गयी तो वोह क्या करेगी पता नहीं... वोह क्लब से शराब पी के आती है और नशे में उसे कुछ होश नहीं होता और काफी झगड़ालू हो जाती है"

ज़हीर ने उसके मम्मे मसलते हुए उसकी चूत में अँगुली डाल दी और पीछे से इमत्याज़ अपना लंड पूजा की गाँड पे रगड़ने लगा। अपनी अँगुली से पूजा की चूत को चोदते हुए ज़हीर बोला, "तू बड़ी हसीन और सैक्सी है... राजेश और अलताफ़ तो क्या... तेरा यह जिस्म देख के किसी का भी इमान डोल जाये... देख... तेरी चूंची और चूत और गाँड कितनी खूबसूरत है...

साली मेरा लौड़ा देख कैसे मसल रही है रंडी... मुझे मालूम है उन दोनों के लंड हमारे जितने लम्बे–मोटे नहीं हैं... आज तुझे असली लंड का मज़ा देंगे।" इमत्याज़ भी अपना लंड पूरी तरह पूजा की गाँड पे रगड़ते हुए बोला, "और सुन मेरी कमसिन छिनाल, हमें तेरी माँ से कोई डर नहीं लगता... उस कुतिया की चूत साली... तुझे चोदते वक्त तेरी माँ कितनी भी नशे में आये... या तो उसे हमारे लंड पसंद आयेंगे और वोह खुद हमसे चुदवाने को तैयार हो जायेगी नहीं तो हम तेरी माँ का रेप करेंगे। वैसे तेरी माँ भी एक मस्त माल है... क्यों...? और नशे में होगी तो उसे चोदने में और मज़ा आयेगा।"

इमत्याज़ के मुँह से अपनी माँ के लिए ऐसी बात सुनके पूजा शरमा गयी। उसे अपनी माँ के नाजायज़ सम्बंधों के बारे मे शक तो था पर उसे यह बिल्कुल नहीं पता था कि उसकी माँ इतनी चुदासी है कि कहीं भी किसी से भी चुदवा सकती है। अब दोनों मर्द पूजा को आगे पीछे से लिपटे थे। माँ के लिए गालियाँ सुनके भी पूजा आगे से ज़हीर की अँगुली से चूत चुदवा रही थी और पीछे से इमत्याज़ का लंड अपनी गाँड पे रगड़वा रही थी। इमत्याज़ ने पूजा को फिर अपनी तरफ घुमाया और उसके मम्मे मसलते हुए चूसने लगा। पूजा भी उससे मस्ती से अपने मम्मे चुसवाती हुई बोली, "इमत्याज़ मेरी माँ के बारे में इतना गंदा क्यों बोल रहा है? मुझे शरम आती है उसके लिए ऐसी बातें सुनके।" इमत्याज़ उसके दोनों मम्मे चूसते हुए बोला, "छिनाल... उसके बारे में बात करता हूँ तो शरम आती है ना... तो तेरी माँ गयी चुदाने... तू बेशरम होके हमसे चुदवा... तेरी माँ आयेगी तो तब की बात तब देखेंगे। अब खुल के हमसे चुदवा और अपनी सज़ा कम करवा ले।"

फिर इमत्याज़ ने पूजा को सोफ़े पे बिठाया और वोह दोनों पूजा के हाथों में अपने लंड पकड़ा के उसके सामने खड़े हो गये। पूजा दोनों के लंड सहलाते हुए बोली, "ऊफ्फ्फ्फ.... सर, आप दोनों के लंड काफी लम्बे और मोटे हैं... मुझे दर्द होगा... लेकिन कोई बात नहीं... मैं यह दर्द सह लूँगी।

==

सर आज मेरा नसीब है कि २–२ तगड़े मर्द मुझे चोदने वाले हैं... लगता है कि आज मेरे बदन की खैर नहीं।" ज़हीर पूजा के मम्मे मसलते हुए अपना लंड पूजा के चेहरे पे रगड़ने लगा और बोला, "तेरी माँ कि चूत में गधे का लंड... साली... रंडी... तू २–२ लंड से चुदवाती है... तुझे दर्द नहीं होगा। तू तो कमसिन छिनाल है... साली २–२ मर्दों से चुदवाती है राँड... आज हम दोनों मुसलमान तुझे रंडी की तरह चोदेंगे... क्यों इमत्याज़ सच बोल रह हूँ ना मैं?"

पूजा ने बिना बोले ज़हीर का लंड पकड़के चूमा और आहिस्ता–आहिस्ता मुँह में लेके चूसने लगी। धीरे–धीरे करके पूजा अब ज़हीर का पूरा लंड चूस रही थी। बीच–बीच में वोह ज़हीर की गोटियाँ भी चूस रही थी। ज़हीर भी मस्ती में पूजा का मुँह चोदने लगा। तब पूजा दूसरे हाथ से इमत्याज़ का लंड हिलाने लगी और इमत्याज़ उसके मम्मे मसलने लगा। ज़हीर का लंड चूसके उसे और कड़क बना के पूजा बोली, "ओह सर मुझे आप बहुत अच्छे लगते थे और मेरी तमन्ना थी कि आपसे चुदवाऊँ लेकिन कभी हिम्मत नहीं हुई आपसे वैसी हर्कत करने की। यह इमत्याज़ आते–जाते मुझे छूता तो था लेकिन मैंने इसे लिफ्ट नहीं दी और आज मैं आप दोनों से चुदवाने जा रही हूँ। सर अब आप दोनों अपने–अपने मुसलमानी लौड़े मेरी चूत, मुँह और गाँड में डालके मुझे चोदो और अपनी रंडी बनाओ।"

ज़हीर ने अपना लंड पूजा के मुँह से निकाला और पूजा को नीचे ज़मीन पे बिठा के बोला, "चल मेरी प्यारी रंडी... आज तुझे अपने लंडों से चोदके तेरी इच्छा पूरी करते हैं। इमत्याज़ मैं इस रंडी की चूत चोदूँगा और तू इस छिनाल की गाँड मार। चल पूजा पहले कुत्तिया बनके इमत्याज़ का लंड अपनी गाँड में डलवा ले... बाद में तेरी चूत में लंड घुसाता हूँ।" पूजा कुत्तिया बन गयी और इमत्याज़ ने उसके पीछे आके उसकी गाँड खोल के अपना लंड उसकी गाँड के छेद में दबाने लगा। पूजा ने अपनी गाँड ढीली छोड़ दी और इमत्याज़ के लंड का सुपाड़ा अंदर घुस गया। फिर पूजा की

==

कमर पकड़ के इमत्याज़ ने हल्के से आगे पीछे होके १५–२० धक्कों से पूरा लंड पूजा की गाँड में घुसा दिया। पूजा राजेश और अलताफ़ से कई बार गाँड मरवा चुकी थी पर फिर भी उसे दर्द हुआ क्योंकि इमत्याज़ का लंड उन दोनों से बड़ा था। पूजा दर्द से बोली, "इमत्याज़... प्लीज़ आराम से डाल मेरी गाँड म ेंअपना लंड। ऊउउफ्फ्फ्फ... इम्तियाज़... हाँ... अब डाल अपन मुसलमानी लौड़ा मेरी गाँड में... अब दर्द नहीं हो रहा है।"

इमत्याज़ का लंड अब आराम से पूजा की गाँड में चला गया और धीरे–धीरे पूजा के ऊपर इमत्याज़ पूरा ज़ोर डाल के उसके मम्मे मसलते हुए बोला, "ले कुत्तिया राँड... तुझे मेरा लौड़ा चाहिए था ना? अब देख कैसे तेरी गाँड मारता हूँ छिनाल... तेरी माँ की चूत... रंडी है साली तू... मेरी रंडी है... मेरे लंड की रखैल है समझी...?" पूजा को इमत्याज़ के धक्कों से जितना मज़ा आ रहा था उतना ही मज़ा उसके मुँह से गालियाँ सुनके भी आ रहा था। वोह बेशरम होके बड़ी मस्ती से गाँड पीछे करके इमत्याज़ का लंड ज्यादा से ज्यादा अपनी गाँड में लेने लगी। जब इमत्याज़ मस्ती से पूजा की गाँड मारने लगा तो पूजा ज़हीर का लंड पकड़के उसे सहलाते हुए एकदम रंडी की अदा से बोली, "ज़हीर सर अब आप भी कुछ करो ना... आप जैसे चाहो वैसे आज मुझे चोदो... आप दोनों के खेल से मैं बड़ी चुदासी हो गयी हूँ।"

ज़हीर पूजा के मम्मे मसलते हुए इमत्याज़ को नीचे लेटने के लिए बोला तो इमत्याज़ पूजा को अपने ऊपर लेके लेट गया। ज़हीर ने पूजा की टाँगें फैला के अपने हाथों से पूजा चूत खोली। उसकी गीली गुलाबी चूत देख के ज़हीर खुश हुआ और अपना मुसलमानी लंड पूजा की कम्सिन चूत पे रख के बेरहमी से पूजा के मम्मे मसलते हुए अपना लंड पूजा की चूत में घुसाने लगा। ज़हीर के बड़े लंड से पूजा को थोड़ी तकलीफ हुई लेकिन उसके मम्मों के मसले जाने से और गाँड में लंड के धक्कों की वजह से वोह दर्द उसे ज्यादा महसूस नहीं हुआ। ज़हीर आधा लंड उसकी चूत में घुसा के

बोला, "छिनाल... साली... तेरी माँ की चूत... हरामी राँड... अब कैसे खुल के चुदवा रही है। तेरी माँ की चूत चोदूँ... साली कितना नाटक कर रही थी और अब मज़े ले रही है २-२ मुसलमानों से... बहनचोद आज तेरी चूत और गाँड फाड़के रख देंगे हम दोनों।"

ज़हीर ने पूजा की गरम गीली और टाईट चूत में लंड घुसा के धक्के पे धक्का मारके पूरा लौड़ा अंदर घुसेड़ दिया और पूजा के निप्पल खींचते हुए बोला, "ले साली पूजा रंडी... मेरा लौड़ा ले... कसम से तेरे जैसी कम्सिन माल आज पहली बार चोद रहा हूँ। बहनचोद तेरी जैसी लड़की मिले तो काम छोड़के दिन रात सिर्फ़ तुझे ही चोदता रहूँगा।" दोनों मर्द बड़ी बेरहमी से पूजा के बदन से खेलते हुए उसको चोद रहे थे। इमत्याज़ तो ज़ोरदार धक्कों से पूजा की गाँड मार रहा था। पूजा ज़हीर के मुँह से अपने लिए और अपनी माँ के लिए गंदी गालियाँ सुनके तौर उत्तेजित हो गयी। अपनी कमर आगे पीछे करके चुदवाती हुई पूजा बोली, "आओ ज़हीर सर... मेरे राजा... मेरे बदन के नए मालिक... आओ अपनी इस नई सैक्सी चुदास राँड की चूत में डालो अपना लौड़ा... उउउउउउउफ्फ्फ्फ्फ़्फ्फ.... ज़हीर... हाँ ऊँऊँऊँऊँ.... और डालो राजाआआआ... फाड़ डालो मेरी चूत और इमत्याज़ तू ऐसे ही मार मेरी गाँड... ऐसा मस्त तो राजेश और अलताफ़ भी नहीं चोदते मुझे... सर आप और इमत्याज़ मुझे जितनी चाहे उतनी गालियाँ दो लेकिन मेरी माँ को क्यों गालियाँ दे रहे हो?"

अब पूजा की गाँड में इमत्याज़ का मोटा मुसलमानी लंड और चूत में ज़हीर का तगड़ा मुसलमानी लौड़ा कयामत ढा रहे थे। दोनों वहशियों की तरह पूजा को अपने बदन के बीच रख के बड़ी बेरहमी से एक रास्ते की रंडी जैसे चोद रहे थे। अब इमत्याज़ नीचे से पूजा की गाँड मारते-मारते उसके मम्मे बेरहमी से मसलते हुए बोला, "कुत्तिया राँड... ज़हीर सर और मैं जो गालियाँ चाहेंगे वोह देंगे... तेरी माँ की भी गाँड मारूँ छिनाल... तेरी माँ को गधे के लंड से चुदवाऊँ... हमें तू मत सिखा कि तुझसे कैसे बर्ताव करना है... ऐसे

===

तगड़े लंड मिले हैं तो हमसे गालियाँ खाके चुदवा। हम तुझे और तेरी माँ को जो दिल में आये वोह गालियाँ देंगे समझी रखैल?"

ज़हीर अब चोदते-चोदते झड़ने के करीब था। इसलिए उसने अपना लंड पूजा की चूत से निकाला और उसके सीने पे बैठ के पूजा का मुँह खोलके अपना लंड उसमें घुसा के बोला "हाय... सालीईईईईई राँड... तेरीईईई माँ की चूत.... ये ली... चूस मेरा लौड़ा छिनाल और ले पी मेरा पानी।" पूजा ज़हीर का लंड अपने हाथ में पकड़ के अपने मुँह में ज़ोर से चूसने लगी। ज़हीर भी जोश में आ के पूजा के मम्मे बेरहमी से दबाते हुए पूजा का मुँह चोदने लगा और ८-१० धक्कों में झड़ने लगा। झड़ते-झड़ते ज़हीर ने पूरा लंड पूजा के मुँह में घुसा दिया। उसके लंड का पानी पूजा के हलक तक गया और पूजा ने वोह पानी आहिस्ता-आहिस्ता पी डाला। अपना पूरा पानी पूजा के मुँह मै छोड़के ज़हीर ने लंड पूजा के मुँह से निकाला और सोफ़े पे बैठ के पूजा और इमत्याज़ की चुदाई देखने लगा।

ज़हीर के झड़ने के बाद और उसका पूरा पानी पीने के बाद पूजा पूरी तरह गाँड खोल के इमत्याज़ से चुदवानी लगी। हाथ पीछे डाल के वोह इमत्याज़ की कमर सहलाते हुए बोली, "इमत्याज़ चोद साले हरामी... मेरी गाँड... तेरी बहुत दिनों से नज़र थी ना मुझ पे... साले मार मेरी गाँड... ज़हीर सर आप प्लीज़ मेरी चुचियों को मसलते हुए उनको चूसो... जब इमत्याज़ मेरी गाँड में झड़ेगा तब मुझे अपनी चुचियाँ आपके मुँह में चाहिए... प्लीज़ आओ ना सर..." पूजा ने बेशरम हो के अपने मम्मे उठा के ज़हीर की तरफ़ कर दिए। ज़हीर भी इस गरम लड़की की हिम्मत देखके खुश हुआ। वोह सोफ़े पे बैठ के पूजा को पास आने को बोला तो इमत्याज़ पूजा को खड़ी करके कुत्तिया के पोज़ में उसकी गाँड मारने लगा। पूजा सोफ़े को पकड़ के झुक गयी जिससे उसके मम्मे ज़हीर के मुँह में अपने आप आ गये और वोह पूजा की चूचियाँ बारी-बारी मसलके चूसने लगा।

===

इमत्याज़ अब बड़े ज़ोरों से पूजा की गाँड चोदने लगा। धक्कों पे धक्के मारते-मारते वोह तो जैसे पूजा की गाँड को ड्रिल करते हुए बोला, "तेरी माँ की चूत... हरामी राँड... राजेश और अलताफ़ से चुदवाती है और हम से नखरा कर रही थी... साली जब से गाँड और चूत में हमारे लंड लिए तब से बड़ी मस्त हो रही है ना छिनाल...? तेरी माँ को चोदूँ साली... अब देख कैसे गाँड पीछे करके मरवा रही है और छिनाल जैसी ज़हीर सर से अपने मम्मे चुसवा रही है... कसम से पूजा आज से मैं तुझे अपनी रंडी बनाके रखूँगा। तू है इतनी मस्त माल कि साली बार-बार तुझे चोदने को दिल करता रहेगा। ये ले... और ले... और ले मेरा लौड़ा अपनी गाँड में मादरचोद... आज तेरी गाँड को बताता हूँ कि मुसलमानी लंड कैसे चोदता है तेरी जैसी छिनाल लड़की को।"

ज़हीर ने पूजा के मम्मे चूसते हुए उसकी चूत में अँगुली डाल दी और पूजा भी छिनाल जैसी ज़हीर का लंड सहलाती हुई बोली, "हाँ साले जैसे कि मुझे मालूम ही नहीं कि मुसलमानी लौड़े लड़की की चूत और गाँड कैसे चोदते हैं... अरे मैं ३ साल से राजेश और अलताफ़ से चुदवा रही हूँ समझा? वोह अलताफ़ भी साला... पूरी बेरहमी से मेरी चूत और गाँड मारता है पर इमत्याज़ तेरे और ज़हीर सर के लंड में जो मज़ा आया वोह मज़ा उनमें नहीं... तुम्हारे इन मोटे लम्बे लंडों के लिए मैं हमेशा के लिए तुम्हारी रंडी बनने को तैयार हूँ। तुम दोनों जब... जहाँ और जैसे चाहो... मुझे चोदो... मैं खुशी-खुशी तुमसे चुदवाऊँगी मेरे राजा... आज के बाद मैं तुम दोनों की राँड बनके रहूँगी। इमत्याज़ तुझे कैसा लगा मेरा यह बदन और मेरी गाँड राजा?"

Hindi Fonts By SINSEX

पूजा की बातें सुनके इमत्याज़ उसकी गाँड पे थप्पड़ मारते हुए पूजा को चोदने लगा और ज़हीर उसके निप्पल चबाते हुए चूसने लगा। पूजा दर्द और वासना से बेहाल होके चुदवा रही थी। वोह दोनों गंदी-गंदी गालियाँ देते हुए पूजा को छिनाल जैसे चोद रहे थे। जब ज़हीर ने ज़रा ज़ोर से पूजा के

निप्पल को चबाया तो दर्द से पूजा बोली. "ऊउउउउउउउफ्फ्फ्फ.... ज़हीर साले हरामीईईई... आराम से चबा न मेरा निप्पल... बहुत दर्द हो रहा है मुझे...।" पूजा के मुँह से अपने लिए गालियाँ सुनके ज़हीर फिर से उसके निप्पल चबाते–चबाते चूसने लगा।

इमत्याज़ से गाँड पे हो रहे लगातार हमले और ज़हीर से बेरहमी से निप्पल चूसवाने से अब पूजा भी झड़ने के करीब थी। वोह सोफ़ा ज़ोर से पकड़के इमत्याज़ को और ज़ोर से गाँड मारने के लिए बोली। अब इमत्याज़ भी झड़ने के करीब था। वोह एक हाथ की अँगुली पूजा की चूत में घुसा के पीछे से पूजा की गाँड में ज़ोरदार धक्के मारते हुए बोला, "ये ले साली... मादरचोद चूत... अब मैं तेरी गाँड में अपना पानी छोड़ूँगा। तेरी माँ को चोदूँ राँड... तू एकदम लाजवाब छिनाल है साली... मुझे पता है तू चुदवाती है मगर तेरा बदन अभी भी बहुत टाईट है... बड़ी गज़ब की चीज़ है तू पूजा... ले मैं आयाआआआआ..... पूजाआआआआआ....।"

इमत्याज़ अपना पूरा लंड पूजा की गाँड में जड़ तक घुसा के झड़ने लगा और साथ ही अँगुली से अपनी चूत चुदवाती हुई पूजा भी झड़ने लगी। ज़हीर आगे से पूजा को कसके पकड़ के उसके मम्मे चूस रहा था और पीछे से इमत्याज़ पूजा की गाँड में लंड घुसेड़े झड़ रहा था। पूजा की चूत ने भी झड़ते हुए अपना पानी छोड़ दिया जिससे इमत्याज़ का पूरा हाथ गीला हो गया।

जब सबकी साँसें सामान्य हुईं तो इमत्याज़ ने पूजा की गाँड से अपना लंड निकाला और उसके लंड का पानी पूजा की गाँड से निकल के पूजा की जाँघों से नीचे बहने लगा। पूजा ने खड़ी होके एक अँगड़ाई ली और जा के एक टॉवल लायी और बड़े प्यार से इमत्याज़ का लंड साफ़ किया। फिर इमत्याज़ ने भी उसी टॉवल से पूजा की चूत और गाँड भी पोंछी। तीनों ने ठंडा पानी पीया और फिर नंगे ही हॉल में ज़मीन पे बैठ गये।

पूजा के साथ पूरी मस्ती करने के बाद ज़हीर ने पेशाब करने के बहाने से बाथरूम में जाके मोबाइल से आरती को फोन करके घर आने को कहा। उन दोनों में यही तय हुआ था कि आरती अपनी बेटी को इन दोनों मर्दों से चुदवाती देख गुस्सा हो के उनको और अपनी बेटी को भला बुरा कहेगी और फिर ज़हीर आरती के सामने पूजा को मसल के आरती को सब बतायेगा। पूजा के कम्सिन जिस्म को जी भर के चोदने के बाद भी ज़हीर ने पूजा को बीच में बिठाया और दोनों मर्द बार-बार पूजा के बदन से खेलते-खेलते बातें करने लगे और पूजा के मम्मे और जाँघें सहलाने लगे। पूजा बेशरम हो के ज़हीर और इमत्याज़ के साथ सिर्फ काले हाई हील के सैंडल पहने नंगी ही बैठी थी। उसे अब ज़रा भी शरम नहीं लग रही थी। इमत्याज़ का सिर अपने सीने पे दबाती हुई और ज़हीर को किस करती हुई वोह बोली, "ज़हीर सर, आज पहली बार किसी मर्द से चुदाई का मज़ा मिला है। मैं राजेश और अलताफ़ से चुदवाती थी लेकिन तुम दोनों के लंड के सामने उनके लंड कुछ भी नहीं। आप दोनों ने तो मेरा बदन झँझोड़ के रख दिया। सिर अब तो मैंने आपका हर कहा माना... जैसे आपने कहा वैसे चुदवाया... और आगे चलके जैसे आप कहेंगे मैं करूँगी... लेकिन अब तो आप मुझे पास करेंगे ना?"

इमत्याज़ हल्के से पूजा का निप्पल चबाते हुए बोला, "तेरी माँ की चूत... साली... सौदा करती है क्या? अरे साली अब तुझे पास नहीं किया तो क्या झाँट उखाड़ेगी हमरी...? बहनचोद साली... कॉलेज में मेरे सामने जितने नाटक किए... उनका पूरा हिसाब लेने के बाद ही तुझे पास करने की सोचेंगे समझी? कॉलेज में तेरी गाँड बहुत बार सहलाने के बाद मुठ मारी थी मैंने... सोचा था एक दिन तेरा रेप करूँगा, पर आज हमसे चुदवा के तूने खुद को बचा लिया राँड।" पूजा ने इस बात पे झुक के इमत्याज़ का मुर्झाया लंड पकड़ के उसे एक बार पूरा चूसा और फिर बोली, "उफ्फ इमत्याज़... कितना चाहता है तू मुझे। अगर मुझे पता होता कि तेरे और ज़हीर सर के साथ चुदाई करके इतना मज़ा मिलेगा तो मैं उन दोनों को कब का छोड़

देती और तुम से ही चुदवाती। पर कोई बात नहीं... अब तो मैं तुम्हारी रंडी बन ही गयी हूँ... अब चाहे तुम मुझे प्यार से चोदो या बेरहमी से गंदी गालियाँ देके... मैं कोई शिकायत का मौका नहीं दूँगी तुमको। अब मैं पास हो जाऊँ या फेल... उसकी भी परवाह नहीं है मुझे।"

ज़हीर उठ के सोफे पे बैठ गया और उसने पूजा को अपनी गोद में खींच लिया। पूजा को ज़हीर का लंड अपनी गाँड पे महसूस हुआ। जब ज़हीर ने उसकी चूचियों से खेलना शुरू किया तो इमत्याज़ ने भी पूजा के सामने खड़े हो कर उसे अपना लंड पेश किया। पूजा ने भी बड़ी लालसा से उसका लंड पकड़ लिया और उसे सहलाते हुए उसका सुपाड़ा चूमने के बाद अपने मुँह में डाल के चूसने लगी। तीनों का एक और चुदाई का सफर शुरू हो गया और उसी क्षण आरती ने दरवाजा झोल के हॉल में प्रवेश किया। पूजा को उन दोनों मर्दों के साथ बिल्कुल नंगी देख के वोह बहुत खुश हुई। पूजा पूरे जोश के साथ इमत्याज़ का लंड चूसते हुए अपनी गाँड ज़हीर के लंड पे रगड़ रही थी और ज़हीर के हाथ पूजा के मम्मे मसल रहे थे। यह देख कर आरती को दो दिन पहले की इन दोनों मर्दों की साथ की गयी महा-चुदाई याद आ गयी और आरती का हाथ खुद-ब-खुद साड़ी के ऊपर से चूत सहलाने लगा। आरती ने काले रंग की शिफॉन की साड़ी, स्लीव-लेस ब्लाउज़ और सढ़े चार इन्च ऊँची हील के सैंडल पहने हुए थी। आरती ने ब्रा नहीं पहनी थी क्योंकि उसे अपने नंगी चूचियों पे ब्लाउज़ के कपड़े का कोमल स्पर्श बहुत अच्छा लगता था। जैसा कि पूजा ने सोचा था... आरती ने क्लब में अपनी सहेलियों के साथ ताश खेलते हुए शराब पी थी और वोह थोड़ी नशे में थी पर आज उतने नशे में भी नहीं थी कि खुद को सम्भाल न सके।

वापस होश में आते हुए उसने अपनी चूत पे से अपना हाथ हटाया और उनके पास जा के इमत्याज़ को पूजा सी दूर हटाते हुए चिल्लाई, "पूजा यह क्या कर रही हो तुम...? बेशरम लड़की... मैं घर से क्या गयी... तू यह सब

करने लगी? तुझे शरम नहीं आती है पढ़ाई–लिखाई की उम्र में यह सब करती है और वोह भी एक साथ दो–दो मर्दों के साथ...? कौन हो तुम दोनों...?" पूजा आरती के गुस्से को देख के बहुत डर गयी। आरती के मुँह से व्हिस्की की गन्ध आ रही थी। पूजा इन दो मर्दों के साथ ऐसी अवस्था में पकड़े जाने से बहुत शर्मिंदगी महसूस कर रही थी। पूजा खड़ी हुई और घबराती हुई बोली, "मम्मी यह... यह मेरे कॉलेज के सर हैं और यह चपड़ासी। वोह बात ऐसी है ना कि.......।" अब पूजा नंगी ही ज़हीर और इमत्याज़ के बीच में खड़ी थी। आरती और गुस्सा में दहाड़ी, "यह साले दोनों भड़वे कोई भी होंगे... मुझे उससे क्या...? लेकिन नालायक तू क्यों इनके सामने नंगी होके दोनों से एक साथ चुदवा रही है?"

अपनी माँ के मुँह से यह गंदी बात सुनके पूजा और भी शरमा गयी। इधर आरती की चूत ज़हीर और इमत्याज़ के लंड देख के मचल रही थी और आरती मन कर रहा था कि अभी नंगी हो के फिर उनसे चुदवा लूँ। लेकिन उसने अपने दिल पे काबू रखा और झूठे गुस्से से सबको देखने लगी। पूजा के पीछे से ज़हीर ने हाथ के इशारे से उसे कहा कि वोह अच्छा नाटक कर रही है। अब ज़हीर पूजा के पीछे से नंगा ही आरती के पास आके बोला, "आप इसकी माँ हो ना? देखिए आपकी बेटी क्लास में पढ़ाई ठीक से नहीं कर रही है... इसलिए हम उसे समझाने आये हैं... आपकी बेटी इस साल भी फेल होने जा रही है... ये पढ़ाई में कमज़ोर है... आप चाहें तो मैं इसको रोज़ एक घँटा पढ़ा सकता हूँ... आप इसकी माँ हैं... आप सोच लीजिए।" आरती ज़हीर का नंगा लंड देख के और बेहाल हो गयी। ज़हीर ऐसे खड़ा था कि पूजा को आरती दिख नहीं रही थी। तब आरती हल्के से ज़हीर को आँख मारते हुए बोली, "उम्र में इतने बड़े हो के एक कमसिन लड़की के साथ यह सब करने में शरम नहीं आयी तुमको...? उसे इस तरह से पढ़ा के पास करेंगे आप...? अब मैं आपकी शिकायत करूँगी कॉलेज बोर्ड से... समझे?"

ज़हीर वैसे ही आरती के सामने अपने नंगे लंड को हाथ में ले के दूसरा हाथ आरती के कँधे पे रख कर बोला, "सुनो मैडम... आपकी बेटी के मार्क्स और चाल-चलन अच्छा नहीं है... इसलिए वैसे भी कॉलेज बोर्ड ने उसे निकालने का फ़ैसला किया था। फैसला लेने के पहले आखिरी बार मैं इसे समझाने आया और फिर इसकी जवानी देखके इसे चोदने का दिल हुआ और कॉलेज से ना निकालने के बदले इसे चोद दिया। अब आप कॉलेज बोर्ड से शिकायत भी करोगी तो कोई आपकी बात नहीं मानने वाला... इसलिए आप सब भूल जाओ।" आरती ज़हीर की इस बात पे कुछ नहीं बोली लेकिन दिल ही दिल में वोह ज़हीर का लंड मसलना चाह रही थी। लंड सहलाते ज़हीर को अपनी माँ के कँधे पे हाथ रखे देख पूजा को आश्चर्य हुआ। उसने झुक के वहाँ पड़ी टॉवेल उठाके अपना जिस्म ढक लिया।

जब पूजा झुकी तो इमत्याज़ पूजा की गाँड सहलाने लगा और दूसरे हाथ से अब वोह भी ज़हीर की तरह अपना लंड आरती के सामने मसलने लगा। इन दो मर्दों को अपने सामने अपने नंगे लंड सहलाते और इमत्याज़ को उसकी बेटी की गाँड मसलते देख आरती की चूत भी गीली हो गयी और उसके निप्पल खड़े हो गये। वोह अनजाने में अपने हाथ से अपनी एक चूंची सहलाने लगी लेकिन फिर हाथ नीचे कर के इमत्याज़ को गुस्से से बोली, "साले हरामी... मेरे सामने अपने आप से खेलते और मेरी बेटी को छूते हुए तुझे शरम नहीं आती...? बड़ा नालायक आदमी है तू... घर में माँ बहन है कि नहीं?"

पूजा हैरानी से देखने लगी कि इतना होने के बाद भी उसकी माँ इन दो मर्दों को घर से निकल जाने के लिए नहीं बोल रही है बल्कि उनका नंगापन देखती हुई बात कर रही है उनसे। पूजा अब आरती के पास आके उसको हल्के से बोली, "मम्मी प्लीज़ आप ऐसा कुछ मत करना नहीं तो ज़हीर सर मुझे कॉलेज से निकाल देंगे... वैसे भी अगर मेरी यह बात सबको मालूम हो

गयी तो हमारी कितनी बदनामी होगी... प्लीज़ अब यह बात ज्यादा मत बढ़ाओ नहीं तो मैं बर्बाद हो जाऊँगी... अब तो ऐसा करने के बाद सर ने मुझे पास भी करने का वादा किया है... है ना ज़हीर सर...?" ज़हीर ने भी आरती की मस्त गाँड देखते हुए हाँ कहा। आरती ने साड़ी बहुत टाईट बाँधी थी और साथ ही इतनी ऊँची हील के सैंडल्स के कारण उसकी गाँड बहुत ही स्पष्ट तरह से बाहर को उघड़ रही थी। तब इमत्याज़ ने आगे आके पूजा की कमर में हाथ डाला और दूसरे हाथ से आरती के सामने बिंदास आपना लंड मसलते हुए बोला, "सुन मैडम... तेरी बेटी हमसे फ्री में नहीं चुदवा रही है... इसकी जवनी चोदने के बदले हम इसे पास करने वाले हैं और इसका कॉलेज से निकलना भी रुकवा रहे हैं... वैसे भी तेरी बेटी कॉलेज के दो लड़कों से साथ चुदवाती है... समझी? तेरी पूजा उन दो लड़कों की रंडी थी और अब हम दोनों की रंडी बन गयी है... हमसे चुदवाके इसने अपनी तरक्की करवा ली है... अब मुझे य ज़हीर सर को गाली दी या कुछ उल्टा सीधा बोली तो साली तुझे भी तेरी बेटी जैसे चोदेंगे। बहन कि चूत तेरी... कुत्तिया... साली दारू पे के आयी है... अब नशे में ज्यादा नाटक मत कर तू हमारे सामने... तुझे हम तेरी बेटी जैसी छिनाल बनायेंगे और साली बेवड़ी... कुत्तों से चुदवायेंगे तुझे... याद रख।"

Hindi Fonts By: SINSEX

इमत्याज़ के मुँह से गालियाँ सुनके आरती को अच्छा लगा लेकिन पूजा डर गयी। एक तो इमत्याज़ ने पूजा की नंगी कमर पकड़ी हुई थी और आरती के सामने लंड मसलते हुए उसने गालियाँ देके पूजा के बारे में भी सब बातें बता दी थीं। पूजा को यकीन हो गया कि अब उसकी माँ उसे बहुत मारेगी और इन दोनों को पुलीस में ज़रूर देगी। उसने देखा कि उसकी माँ की चूचियाँ भी ऊपर-नीचे हो रही हैं। पूजा को क्या पता था कि आरती का दिल गुस्से से नहीं बल्कि इमत्याज़ की गालियों से और उन दोनों का नंगा लंड देख के धड़क रहा था। बड़ी मुश्किल से आरती ने अपने आप पे काबू रखा और बड़ी मुश्किल से अपनी नज़र इमत्याज़ के लंड से हटाती हुई पूजा से बोली, "पूजा क्या यह सच है...? तू कॉलेज में भी ऐसा करती है...

वोह भी दो–दो लड़कों के साथ...? और तेरे साथ यह सब करने के बाद यह तुझे पास करने वाले हैं? अरे बेटी तूने तो खुद का सौदा कर दिया... बेच दिया एक तरह से अपने आपको तूने।" यह कहते वक्त भी आरती की नज़र ज़हीर के लंड पे थी और इमत्याज़ अभी भी पूजा की कमर में हाथ डाले हुए था और पूजा ने अपना सीना टॉवल से ढका हुआ था। तब ज़हीर आरती की कमर में हाथ डालते हुए बोला, "क्या सब अपनी बेटी के सामने पूछेगी? वैसे बहुत अच्छी बेटी है तेरी... बस थोड़ा सा बहक गयी है लेकिन अब हम उसे ठीक करेंगे। तू कोई टेंशन मत ले आरती... ठीक है? पूजा तू जा और तेरी माँ के लिए पानी ले आ... तब तक मैं तेरी माँ को अच्छे से समझाता हूँ।" आरती पूजा से पानी के बजाय सब के लिए व्हिस्की के पैग बना के लाने को बोली पर ज़हीर और इमत्याज़ ने इनकार कर दिया के वोह लोग शराब छूते भी नहीं हैं।

पूजा अपने बदन पे टॉवेल लपेटे ही आरती के लिए पैग बनाने चली गयी। वोह सोच रही थी कि आज तो उसकी माँ उसकी जान ही ले लेगी। अब उसे पूजा के बारे में सब पता चल गया था कि वोह कॉलेज में दो–दो लड़कों से चुदवाती है और लेक्चर बँक करती है... उसको कॉलेज से निकालने वाले थे और अब उसकी माँ ने अपनी आँखों से उसे ज़हीर सर और इमत्याज़ के साथ चुदवाते देखा था। पूजा चाहती थी कि किसी भी तरह ज़हीर सर उसकी माँ को समझायें और उसकी माँ का गुस्सा कम करें। एक ग्लास में व्हिस्की और बर्फ डाल के और साथ में ठंडे पानी की बोतल लेके जब वोह आयी तो जो नज़ारा उसने देखा उससे वोह आश्चर्य चकित रह गयी। आरती अब ज़हीर और इमत्याज़ के नंगे बदन के बीच में खड़ी थी और उन मर्दों ने उसे सैंडविच किया हुआ था। ज़हीर आगे से आरती को किस कर रहा था और पीछे से इमत्याज़ आरती को दबोच के के उसके मम्मे मसलते हुए अपना नंगा लंड साड़ी के ऊपर से उसकी गाँड पे रगड़ रहा था। पूजा ने देखा कि उसकी माँ जो अभी तक उनसे गुस्से से बात कर रही थी अब खुशी से उन मर्दों के साथ खेल रही है। आरती ने

ज़हीर का लंड पकड़ा हुआ था और दूसरे हाथ से ज़हीर का बदन अपने बदन पे दबा रही थी। यह सब देख के पूजा ज़ोर से बोली, "मम्मी यह क्या कर रही हो...? अभी मुझे इतना सुनाके अब खुद तुम इन दोनों के साथ मस्ती कर रही हो...? मुझे बेशरम कहती हो पर अब खुद को देखो कैसे लिपट रही हो?"

पूजा की बात सुनके इमत्याज़ उसके पास आके और पूजा का हाथ पकड़के बोला, "मेरी राँड... अब तुझे कोई डरने की जरूरत नहीं... हमने तेरी माँ को सब समझा दिया है और वोह मान गयी है... अब हम तेरी चुदाई बिंदास कर सकते हैं... वोह भी तेरी माँ के सामने... है ना आरती?" आरती मुस्कुराती हुई अपना सिर हिला कर से हाँ बोली पर पूजा को फिर भी यकीन नहीं हो रहा था। वोह हैरान होके बोली, "मम्मी तुम क्यों यह सब कर रही हो? इन्होंने ऐसा क्या बताया तुम्हें कि तुमने इनकी बात मान ली...? मुझे कुछ समझ में नहीं आ रहा है... प्लीज़ कोई मुझे बताओ कि यह सब क्या चल रहा है...।"

पूजा की हैरनी देखके आरती ने पूजा का हाथ पकड़ के उसे सोफ़े पे अपने पास बिठाया और इमत्याज़ भी सोफ़े के पीछे खड़ा हो गया और ज़हीर आरती के सामने। आरती ने पूजा के हाथ से अपना पैग लिया और बिना पानी मिलाये ही एक ही घूँट में गटक गयी और फिर ज़हीर का लंड पकड़के प्यार से एकदम बेशरम होके पूजा से बोली, "अरे पूजा... मुझे यह साले ज़हीर ने परसों कॉलेज में बुलाया था तेरी शिकयत करने के लिए... और तुझे कॉलेज से निकालने की बात बतायी। मुझे यह भी बताया कि तू दो-दो लड़कों से एक साथ मस्ती करती है... सच बोलूँ तो तेरी कहानी सुनके मुझे जलन हुई... क्योंकि तेरे पापा साल में एक महीने के लिए ही आते हैं पर उसके बाद मैं भी इधर-उधर जब भी मौका मिलता है किसी से भी चुदवा के अपनी चूत को शाँत करती हूँ... वैसे मुझे कभी भी चोदने वालों की कमी नहीं हुई... मैं बहुत ही चुदास हूँ और बहुत अय्याशी करती

हूँ पर मैंने कभी भी दो–दो मर्दों से एक साथ नहीं चुदवाया था और यह मेरा कब से अरमान था कि मुझे एक साथ दो मर्द चोदें पर... मेरी बेटी को दो–दो लड़के चोदते हैं। तब तुझे कॉलेज से ना निकाले जाने और अपनी प्यास बुझाने के लिए मैंने ज़हीर को अपना जिस्म दिया। ज़हीर ने मुझे अपने ऑफिस में बहुत चोदा। एक बार चोदने के बाद भी हम दोनों का दिल नहीं भरा तो दूसरा राऊँड शुरू किया। इस बार ज़हीर ने मुझे पीछे से लिया। उसका यह मोटा लंड मेरी गाँड में अंदर घुसा तो मुझे दर्द हुआ और मैं चिल्लाई... तब मेरी आवाज़ सुनके यह इमत्याज़ आया...।"

इमत्याज़ ने आरती का पल्लू हटाके उसके मम्मे दबाते हुए झुक के आरती का गाल किस किया। आरती फिर आगे बोली, "हाँ इमत्याज़ आज भी तुझे मेरा जिस्म मिलेग चोदने को... थोड़ा सब्र कर...। हाँ तो पूजा... मैं बता रही थी कि... तो मेरी आवाज़ सुनके इमत्याज़ भी आया और परसों मुझे इन दोनों मुसलमानों ने मुझे एक साथ खूब चोदा। इतना चोदने के बाद भी इनका दिल नहीं भरा और यह मुझे और चोदना चाहते थे। तब मैंने सोचा कि क्यों ना तुझे भी इसमें शामिल करूँ। इससे हम दोनों के बीच की शरम की दीवार भी खतम हो जायेगी और हम एक–दूसरे से छिपाए बगैर मिल कर अयाशियाँ कर सकेंगी और इसलिए मैंने ज़हीर और इमत्याज़ को आज आपने घर बुलाया ताकि यह दोनों मुसलमानी मर्द हम माँ बेटी को चोद सकें। जिस तरह से इन्होंने मुझे कल चोदा... मैं समझ गयी कि तू भी इनसे चुदवाके खुश होगी... बोल मैंने ठीक सोचा न बेटी?" यह बोल के आरती ने अपनी बाहें पूजा की तरफ फैला दी।

पहले तो पूजा को अपनी माँ की गंदी बातें सुन के अचम्भा हुआ लेकिन फिर उसका डर खतम हो गया और वोह खुशी से आरती की बाहों में जाके बेशरम होके बोली, "मम्मी तुम भी दूसरे मर्दों से चुदवाती हो... मुझे इस बात की भनक थी पर मुझे मालूम नहीं था कि तुम मेरे लिए इतना करोगी... मुझे डर था कि कहीं आपको पता चला तो आप मुझे मारोगी... पर अब

कोई डर नहीं है मुझे। अब मैं समझी कि सर और इमत्याज़ बार–बार क्यों मुझे आपके बारे में गंदी बातें बोल रहे थे। मम्मी... तुम तीनों ने तो मेरी जान ही निकाल दी थी लेकिन अब मैं एकदम खुश हूँ... और आज से हम माँ–बेटी नहीं बल्कि सहेलियाँ हैं।" आरती पूजा के होंठ चूमते हुए बोली, “हमारे इस नए रिश्ते के नाम एक–एक जाम हो जाए... यह साले... दोनों तो पीते नहीं हैं पर मुझे पता है तू कभी–कभी मेरी व्हिस्की की बोतल में से चुरा के पीती है... क्या बोलती है... हो जाये एक–एक पैग.... और फिर शराब के सुरूर में चुदाई क मज़ा दूगुना हो जाता है...” आरती ने उठ कर खुद ही व्हिस्की के दो तगड़े पैग बनाये और पूजा को उसका पैग देते हुए बोली, “एक ही बार में ग्लास खाली करना है... पूजा... हमारे नये रिश्ते के नाम.... चीयर्स...।” फिर दोनों माँ बेटी अपने ग्लास आपस में टकरा के गटा–गट अपने पैग पी गयीं और फिर आरती ने खुद पूजा का टॉवल निकाल दिया। पूजा का नंगा जिस्म अपनी आँखों में भरती हुई आरती बेशरम हो के पूजा का निप्पल किस करने लगी। पूजा भी पहली बार एक औरत और वोह भी अपनी माँ से निप्पल चुसवाते हुए और व्हिस्की के सुरूर से गरम हो गयी और आरती के मुँह में अपना निप्पल चुसवाने लगी। पूजा के दोनों निप्पल खूब चूस के आरती बोली, "अरे सालों... क्या सिर्फ़ हम माँ–बेटी का खेल ही देखते रहोगे या हमें चोदोगे भी...? ज़हीर मेरे राजा तुझे क्या मेरी बेटी इतनी पसंद आयी कि तूने अभी तक मुझे नंगा भी नहीं किया...? परसों तो मेरे लिए बड़ी–बड़ी बातें कर रहा था तू... आज क्या मेरी बेटी पे ज्यादा दिल आ गया क्या तेरा? ज़हीर चल तू उठ जा और मुझे नंगी करके चोद... और इमत्याज़ तू मेरी बेटी की गाँड मार... आज तुम मर्द हम माँ बेटी की प्यास बुझाओ।" आरती का नशा पहले से बढ़ गया था और उसकी आवाज़ थोड़ी बहकने लगी थी और उसकी आँखें भी नशे और वासना से गुलाबी हो गयी थीं।

इमत्याज़ ने पीछे से आके पूजा को दबोच लिया और ज़हीर ने आरती को अपनी तरफ घुमाके उसे किस करते हुए उसकी साड़ी पेटीकोट से खींच के

उतार दी। फिर आरती का ब्लाऊज खोल के उसके पेटीकोट के नाड़े को भी खींच दिया। अब आरती सिर्फ़ लाल पैंटी और सढ़े चार इन्च ऊँची हील के काले सैंडल पहने हुए थी। पूजा पे भी अब व्हिस्की क नशा छा रहा था और उसे अपने सिर का हल्कापन बहुत अच्छा लग रहा था। पहली बार अपनी माँ को नंगी देखा तो पूजा अपनी माँ का नंगा शबाब देख कर बहुत प्रभावित हुई। आरती का हर अँग जैसे तराशा हुआ था और वोह उन काले हाई हील सैंडलों और लाल जी-स्ट्रिंग पैंटी में किसी अप्सरा से कम नहीं लग रही थी। ज़हीर जब पीछे से आरती को पकड़के उसके मम्मे मसलने लगा तो पूजा भी आगे आके आरती के निप्पल चूसने लगी। इमत्याज़ पूजा के मम्मे मसलते बोला, "देखो सर... मेरी रंडी पूजा कैसे आपकी रंडी आरती के मम्मे चूस रही है... और यह आपकी रंडी आरती भी कैसे मस्त हो रही है मेरी राँड से अपने मम्मे चुसवा के। बहनचोद साली... मस्त रंडियाँ हैं दोनों।" ज़हीर आरती की पैंटी उतारके उसकी गाँड को अँगुली से सहलाते हुए बोला, "हाँ इमत्याज़... यह दोनों तो एकदम छिनाल निकलीं पर यह हमारी खुश किस्मती है कि यह हमारी रंडियाँ हैं। मादरचोद पूजा अच्छे से अपनी माँ के मम्मे चूसके उसे गरम कर ताकि बाद में यह चूत और गाँड खोलके हमसे चुदवा सके। पूजा... तेरी माँ की चूत ऐसे चोदूँगा मैं कि आज के बाद तेरी माँ मेरी पर्सनल रखैल बनके रहेगी और तू इमत्याज़ की छिनाल बनेगी समझी? चलो छिनाल रंडियों... अब आ जाओ हमारे मूसल लौड़ों से अपनी जवानी चुदवाने।" आरती पूजा को बाहों में भरती हुई बोली, "हाँ हम तैयार हैं तुमसे चुदवाने को लेकिन यह तो बोलो कि किसका लौड़ा किसको चोदेगा?" ज़हीर आके आरती के हाथ में अपना लंड देके आरती के मम्मे मसलते हुए बोला, "आरती तू तो मेरी पर्सनल रंडी है... मेरे साथ अपने बेडरूम में बिस्तर पे चल और पूजा तू इमत्याज़ की रंडी बनके उससे यहाँ चुदवा।" इमत्याज़ ने आके नंगी पूजा को बाहों में उठाया और उसे सोफ़े पे ले गया। पूजा को सोफ़े पे बिठाके उसके मुँह में लंड देके वोह बोला, "सर... आज आप इस रंडी आरती को चोदो और मैं पूजा की गाँड मारके

उसे पास करवाता हूँ। आप अपनी रखैल की आरती उतारो और मैं अपनी छिनाल की पूजा करता हूँ।"

इमत्याज़ की बात सुनके सब हँसने लगे और पूजा नशे में मतवाली होके बिंदास बोली, "सर आप आरती की चुदाई के बाद मुझे चोदना और इमत्याज़ आरती को चोदेगा । इससे हम माँ बेटी को भी चेंज मिलेगा और आप दोनों को भी।" आरती ने उन दोनों के पास जा के झुक के पूजा को किस किया और फिर ज़हीर उसे बेडरूम की तरफ ले जाते हुए बोला, "ठीक है पूजा... जब तक माँ बेटी को पूरी तसल्ली नहीं होगी हम तुम दोनों को एक के बाद एक करके चोदते रहेंगे। अब मैं तेरी रंडी माँ को बेडरूम में चोदने को ले जाता हूँ तब तक तू इमत्याज़ से चुदवा ले। उसके बाद मैं तेरी चूत चोदूँगा और इमत्याज़ तेरी माँ की गाँड मारेगा।"

आरती पे अब पूरी तरह से शराब और चुदाई का नशा सवार हो चुका था और वोह अपने सढ़े चार इन्च ऊँची हील के सैंडल में ठीक से चल भी नहीं पा रही थी। वोह बेडरूम की तरफ जाते-जाते बुरी तरह लड़खड़ा रही थी और ज़हीर का लंड उसे देख कर कड़ा हो गया। ज़हीर ने आगे बढ़ कर झूमती हुई आरते को पकड़ा और बेडरूम में ले जाते हुआ बोला, “साली आरती... तू तो बेवड़ी निकली... देख कितनी चढ़ गयी है तुझे... कुत्तिया राँड।” आरती अपनी ही मदहोशी में बड़बड़ाने लगी, “हाँ मेरे राजा... मैं कुत्तिया हूँ और तू भी मेरा कुत्ता है... (हुच्च)...” फिर जोर से हँसते हुए रासते में ही घूम के ज़हीर से बेल की तरह लिपट गयी और उसके होंठ चूमते हुए बोली, “मेरे प्यारे कुत्ते... (हिच्च)... कभी पी के देख... कितनी मस्ती चड़ती है... मुझे कुत्तिया बोलता है... अरे पीने के बाद तो मेरी अंडर इतनी मस्ती भर जाती है कि मैं गधे-घोड़े के लंड भी ले के चुदवा लूँ... (हुँच्च).... उम्म्म... तू मेरा घोड़ा है... ले चल मुझे अंदर मेरे प्यारे घोड़े... (हुच्च)... चोद अपने लंड से अपनी घोड़ी को... साला हरामी... तू भी क्या याद रखेगा... किस चुदक्कड़ चूत से पाला पड़ा था...।” ज़हीर उसे लगभग

धकेलता हुआ बेडरूम में लाया और फिर आरती को बाहों में भरके किस करने लगा। आरती भी अपना नंगा जिस्म उससे भिड़ाती हुई उसे किस करने लगी। ज़हीर आरती को इस हालत में देख कर बहुत गरम हो गया था। एक हाथ से आरती की गाँड और दूसरे से उसके मम्मों को निचोड़ते हुए ज़हीर बोला, "आरती तू साली बहुत चुदास औरत है... जबसे तुझे चोदा है... मेरा लंड बार-बार तेरी चूत की याद में खड़ा हो रहा है। तू जानती नहीं कि तेरे इस मस्त बदन ने मुझ पे क्या जादू किया है। आज तक मैंने बहुत चूतें चोदी हैं पर जैसे खुल के तू चूत चुदवाती है... किसी ने वैसे चूत नहीं चुदवायी मुझसे। आरती आज के बाद तू मेरी रंडी बनके रहेगी? बोल मेरी जान तू मेरी रखैल बनेगी?" आरती ज़हीर की बात सुनके बिस्तर पे बैठती हुई उसके लंड को सहलाते हुए किस करने लगी और बोली, "ज़हीर मुझे भी दो दिनों से हर पल तेरा यह मुसलमानी लौड़ा याद आ रहा था। मेरा भी हाल तेरे जैसा ही है... पता है पर्सों से कितनी ही बार अपनी चूत को बैंगन और मोटी मोमबती से चोद चुकी हूँ... (हुच्च)... मुझे भी कितने मर्दों ने चोद लेकिन जो बात तेरे इस तगड़े लंड में है... (हुच्च)... वोह किसी में नहीं थी...। तेरा लंड मुझे कितना भा गया इसका सबूत... उम्म्म... (हुच्च)... यह है कि मैंने अपनी बेटी को भी तुझसे चुदवा दिया। सोच... साले... सोच... कोई माँ अपनी बेटी देगी क्या किसी मर्द को चोदने के लिए? उसे भी तेरे जैसे लंड की जरूरत थी ज़हीर... रही बात तेरी रंडी बनने की तो राजा मुझे तेरे पैसे नहीं चाहिए... बस जब दिल करे अपने इस लंड से खूब चोद मेरी छिनाल चूत और गाँड को और मुझे खुश रख...।

ज़हीर आरती का चेहरा पकड़ के उसके मुँह में अपना लौड़ा देते हुए बोला, "ले आरती ले... आज मेरे इस लौड़े को तसल्ली बख्श दे... बहनचोद कसम से तू मस्त औरत है... राँड साली जैसे तू मर्द को मज़ा देती है कोई भी औरत नहीं दे सकती। मुझे मालूम है कि तूने अपनी बेटी को भी हमसे चुदवाके एक चुदास रंडी होने का सबसे बड़ा सबूत दिया है। मुझे उस दिन तेरी चूत मिली तो मैं खुश हुआ लेकिन आज अपनी बेटी को चुदवा के तूने

===

मुझे जीत लिय मेरी छिनाल... आज के बाद तू मेरी खास रंडी है... तेरी बेटी इमत्याज़ की रंडी बनेगी।" आरती होंठ टाईट करके ज़हीर के लंड से अपना मुँह चुदवाने लगी। पूरा लंड चूसने के बाद वोह ज़हीर की गोटियाँ चूस के बोली, "हाँ ज़हीर आज से मैं और मेरी बेटी तेरी रंडियाँ बन गयी हैं। तू हमसे जो चाहे वोह करवा सकता है... हम दोनों तुझे कभी शिकायत का मौका नहीं देंगी... साले... ज़हीर मेरे मम्मे मसल के और ज़ोर से चोद मेरा मुँह... यह तेरी राँड कुत्तिया का मुँह है... (हुच्च)... बिंदास चोद इसे... ज़हीर साले... यह तो बता कि मेरी बेटी कैसी लगी तुझे...? मस्त माल है ना पूजा? पूजा... साली... अपनी राँड माँ पे गयी है कि नहीं?"

ज़हीर आरती को बिस्तर पे लिटाते हुए उसकी चूत में अँगुली डाल के मम्मे मसलते हुए बोला, "आरती तेरी बेटी तेरे जैसी हसीन है... बड़ी कुत्तिया बेटी है तेरी... बिल्कुल माँ पे गयी है... पूजा भी आगे चल के तेरे जैसी ही मस्त छिनाल बनेगी... बहनचोद मुझे लगता है कि शादी के बाद पूजा को उसके पती के दोस्त भी चोदेंगे... मेरी रंडी आरती... तेरी बेटी तेरे जैसी चुदक्कड़ है... तूने बड़ी मादरचोद लड़की को पैदा किया है आरती... तेरी बेटी तेरे नक्शे कदम पे चलके मर्दों को बराबर रिझाना सीख रही है और चुदाई में तेरा नाम रोशन करेगी। वैसे मेरी राँड अब मुझे पूजा की माँ की चूत चोदनी है... मेरा लंड पूजा की माँ की चूत चोदने को बेकरार है... बोल चोदूँ मैं पूजा की माँ की चूत... आरती?" ज़हीर के मुँह से अपने और पूजा के लिए गालियाँ सुनके आरती और गरम हो गयी। वोह ज़हीर का लंड पकड़ के बोली, "हाँ साले भड़वे... तू सच बोला... मैं भी चाहती हूँ कि पूजा मेरी जैसी छिनाल राँड बने। और अब जब तू साथ रहेगा तो जरूर पूजा एक मस्त राँड बनेगी। रही बात पूजा की माँ कि तो चूत चोदने की तो मेरे प्यारे कुत्ते... पूजा के माँ की चूत को भी बड़ी बेसब्री से तेरे इस तगड़े मुसलमानी लंड का इंतज़ार है... साले अब तू टाइम खराब किए बिना जल्दी से पूजा की चुदक्कड़ माँ की चूत चोद।"

===

==

आरती बेड पे लुढ़कते हुए लेट गयी और ज़हीर आरती की टाँगें उठाके अपने कँधों पे रखते हुए बोला, "मेरी छिनाल आरती... अब तू देखती जा मेरे लंड का कमाल... चूत खोल रँड... बहनचोद रंडी... आज फिर तुझे जी भरके चोदूँगा।" आरती अपने हाथों से चूत खोलके बोली, "यह ले ज़हीर खोल दी मैंने अपनी चूत तेरे लंड के लिए... आजा साले... अपनी छिनाल की चूत चोद अपने मुसलमानी लौड़े से और दिखा दे फिर से तेरे लंड का कमाल... कुत्ते अपनी छिनाल कुतिया की चूत मस्ती से चोद।" ज़हीर आरती की चूत का दाना रगड़ते हुए बोला, "साली रंडी आरती... तेरी चूत अभी भी कितनी टाईट है... लगता है जैसे कुँवारी चूत है... जब तुझे पहली बार चोदा तब अगर मुझे मालूम नहीं होता कि पूजा तेरी बेटी है... तो मुझे लगता कि मैं किसी २०-२२ साल की लड़की को ही चोद रहा हूँ। इस उम्र में इतनी टाईट चूत मिलना मतलब लॉटरी लगना है रंडी...।" आरती तो मदहोशी से आँखें बँद करके सिसकरियाँ लेते हुए अपने मम्मे मसलने लगी और कमर उठा के ज़हीर के हाथ पे चूत दबाते हुए बड़बड़ायी, "साला... कुँवारी बोलता है... मैं... साली चुदाई का कोई मौका नहीं छोड़ती.... कुँवारी...?" और फिर हँसने लगी और और हँसते हुए ही आगे बोली, "शायद तेरे जैसा तगड़ा मुसलमानी लौड़ा नहीं मिला... इसलिए यह टाईट है... हुच्च... और शायद इसी वजह से मैंने खुद को और साथ में अपनी हरामी बेटी को भी तुझसे चुदवाया ना?"

ज़हीर ने एक हाथ से अपना लंड आरती की चूत पे रखा और फिर दूसरे हाथ से आरती के दोनों हाथ पकड़ के ऊपर कर के बोला, "आरती तू हमेशा खुश रहेगी मेरी रंडी बनके... बहनचोद... तेरी जैसी मस्त और बिंदास औरत को पैर की जूती बना के ही चोदना चाहिए। साली... इतने साल से तेरी गरम चूत को जिस तगड़े लंड की तालाश थी वोह अब खतम हो गयी... मेरी रंडी बनके तू ने वोह तालाश खुद खतम की है। आज के बाद तुझे कभी भी प्यासी नहीं रहना पड़ेगा मेरी छिनाल... तू चाहेगी तो एक साथ दो-दो मर्द तो क्या.... तुझे एक साथ पाँच-पाँच मर्दों से चुदवाऊँगा।"

==

==

आरती अपनी चूत ऊपर उठा के ज़हीर के लंड से भिड़ाती हुई बोली, "डाल दे अपना लौड़ा मेरी चूत में और चोद के मेरी चूत की गरमी निकाल दे... अब तेरे जैसे मस्त लौड़े से मेरी चूत चुदेगी तो मेरी प्यास ज़रूर मिटेगी... ज़हीर अब आज के बाद मैं और मेरी बेटी पूजा तेरी रंडियाँ बन गयी हैं... तू जब.. जितना और जिससे भी चाहे हमें चुदवा।"

ज़हीर ने अपना लंड आरती की चूत पे रख के आरती की चूत का मुँह खोला और फिर अपना लंड अंदर घुसेड़ने लगा। उसका लंड ज़रा मुश्किल से अंदर घुस रहा था। जैसे-जैसे ज़हीर ने ज़ोर लगाया, उसका लंड आरती की चूत में घुसने लगा। आरती की चूत एक दम गीली हो गयी थी, इसलिए फिर १-२ धक्कों में ज़हीर का पूरा लंड आरती की चूत में घुस गया। लंड पूरा घुसने के बाद ज़हीर आरती के हाथ छोड़ के उसके निप्पल चूसते हुए आरती को दनादन चोदने लगा। आरती भी नीचे से कमर उठा-उठाके चुदवाने लगी और ज़हीर से बोली, "हाँ डाल साले... और अंदर पेल लंड... चोद मुझे... जी भर के मेरी चूत चोद... ऊफ्फ्फ्फ्फ क्या मस्त लंड है तेरा भोंसड़ी के... बेरहमी से चोद मेरी चूत।" ज़हीर भी ताव में आ के आरती की चूत चोदते और मम्मे मसलते हुए बोला, "ले साली... ले... आज तुझे रंडी की परिभाषा पता चल जायेगी। बहनचोद साली... गरम माल है तू और तेरी बेटी... अल्लाह कसम ऐसी मस्त चूत नहीं चोदी। हरामी तू अगर शादी के पहले मिलती तो तुझे अपनी बेगम बनाता लेकिन अब तुझे मेरी राँड बनना होगा।"

ज़हीर अब मस्ती में ज़ोर-ज़ोर से आरती को चोदने लगा। वोह धक्कों पे धक्के मारते हुए पूरा लंड अंदर घुसाते हुए चोद रहा था। आरती भी नीचे से उसके धक्कों के जवाब में अपनी कमर उठाके चुदवाती हुई बोली, "ज़हीर हाँ ऐसे ही मेरे मम्मे दबाते हुए और निप्पल चूसते हुए मुझे चोद... चोद और चोद तेरी यह राँड बड़ी भूखी है... चूत फाड़ दे अपनी रंडी आरती कि... मेरे कुत्ते राजा... तू कहेगा तो मैं कुत्तों से भी चुदवाने को तैयार हूँ।" ज़हीर

==

बारी–बारी से उसके मम्मे मसलते और चूसते हुए बोला, "तू अब मेरी रखैल बनके रहेगी... ले साली हरामज़ादी चूत... चुदवा ऐसे ही... साली बेटीचोद औरत... तुझे तो दिन रात चोदना चाहिए... यह ले और ले छिनाल... चुदवा ले मेरे मुसलमानी लौड़े से बहनचोद...।"

ज़हीर का लंड आरती की क्लिट पे रगड़ते हुए चूत में बहुत गहरायी तक जाके टक्कर मार रहा था। ज़हीर के धक्कों का जवाब आरती नीचे से अपने धक्कों से दे रही थी और ज़हीर के धक्कों से आरती का पूरा बदन उछल रहा था। ज़हीर ने थोड़ा पीछे होके धक्का मारा तो आरती के सीने की हलचल देखके खुश हुआ। ज़हीर के धक्कों से आरती की चूचियाँ थर–थरा जाती थीं। जिस ताल से वोह आरती को चोद रहा था उसी लय से आरती के मम्मे उछल रहे थे। आरती ज़हीर का चेहरा नीचे करके उसे किस करते हुए बोली, "हाँ ज़हीर मैं तेरी रंडी रखैल हूँ और ऐसी माँ हूँ जिसने अपनी जवान बेटी को तुझसे और बाहर उस हरामी इमत्याज़ से खुद चुदवाया है... पर मैं क्या करती... एक तो मैं गरम औरत हूँ और मेरी बेटी भी कम नहीं है... वोह छिनाल तो मुझसे भी पहले से २–२ लड़कों से चुदवाती थी... मैंने तो अब जाके दो–दो मर्दों से एक–साथ चुदवाया। अब बस तू मुझे ऐसे ही चोदता रह... और कभी अपनी इस रखैल को प्यासी मत रखना।"

ज़हीर ने जोश में आरती के मम्मे मसलते हुए एक अँगुली आरती की गाँड में डालके आरती को चोदते हुए बोला, "नहीं मेरी जान... आज के बाद तू कभी प्यासी नहीं रहेगी... अब तुझे जब भी मेरा लंड चाहिए मेरे पास आ और मैं तुझे चोदके तेरी प्यास बुझाऊँगा।" फिर १५ मिनट तक उनकी चुदाई बड़ी ज़ोरों से चली। ज़हीर ने आरती का पूरा बदन चोद–चोद के तोड़ के रख दिया था। जब उसे एहसास हुआ कि वोह झड़नेवाला है तो वोह अपना लंड आरती की चूत के अंदर ही अंदर ऐसे घुमाने लगा जैसे कि पेंच कस रहा हो। फिर एक बार कसके धक्का मारते हुए बोला, "हरामी रंडी... साली अब मैं झड़ने वाला हूँ तेरी गरम चूत में... यह ले साली बहनचोद

===

रंडी... तेरी गाँड मारूँ छिनाल... यह ले... और ले... और ले... मेरी रंडी आरती।" आरती भी ज़हीर को कसके पकड़के अपनी कमर उठाके चुदवती हुई बोली, "ज़हीर साले रंडीबाज... आरती की चूत आज से तेरी अमानत है डीयर... उउउउउफ्फ्फ्फ अब मैं भी झड़नेवाली हूँ ज़हीर... मुझे कसके पकड़ और चोद मुझे। ऊउउम्म्म्म... आआआआआआहहहहह... ज़हीर बड़ा मज़ा आ रहा है तेरी राँड को तुझसे चुदवाके। जी भरके मुझे चोद...।"

अब दोनों ने एक दूसरे को कसके पकड़ लिया और ज़हीर भी जितना हो सके उतने ज़ोर से आरती को चोदने लगा। दोनों बहुत सिसकारियाँ भरते हुए चुदाई का मज़ा ले रहे थे। पूरे कमरे में आहहहहहहह... उहहहह... ओफ्फ्फ्फ्फ... उम्म्म्म.... और चोद साले... ले मेरी छिनाल... मेरी रंडी.... की आवाज़ें और भारी-भारी साँसों की आवाज़ सुनायी दे रही थी। ज़हीर आखिरी बार अपना लंड आरती की चूत की सबसे गहरे भाग में धकेल के झड़ते हुए बोला, "आआआआह मेरी चुदक्कड़ रानी... आरती... मेरी रंडी... मेरी जान... पूरा पनी तेरी चूत में भर रहा है... मैं इस मुसलमानी लंड के पानी से तेरी चूत की आग शाँत कर रहा हूँ मेरी छिनाल...।" जब ज़हीर के पानी का एहसास आरती को हुआ तो उसकी चूत भी पिघल गयी और वोह अपनी कमर उठा के ज़हीर के लंड को ज्यादा से ज्यादा अंदर लेती हुई बोली, "हाँ चोद ज़हीर और ज़ोर से चोद... दे तेरा पूरा पानी मेरी प्यासी चूत को... आआहहहहह ज़हीर..... मैं झड़ गयीईईईई राजा... आआआहहहहह कितना सकून मिल रहा है मेरे यार... दे अपना पूरा पानी... मेरी चूत को मेरे मुसलमानी चोदू।"

आरती और ज़हीर पूरी तरह झड़के शाँत हो गये पर ज़हीर अब भी आरती के जिस्म पे लेटा हुआ था और ज़हीर ने पूरा लंड आरती की चूत में घुसाया हुआ था। जब ज़हीर भी ढीला पड़ा तो आरती की चूत से उन दोनों के चुदाई-रस का मिश्रण हल्के-हल्के बाहर आने लगा। दिल की धड़कन शाँत होने के बाद ज़हीर आरती की चूत से लंड निकाल के उसकी बगल में

===

लेट गया। ज़हीर आरती को चोद चुका था और दोनों बेहाल पड़े थे। १५-२० मिनट के बाद आरती ज़हीर की बाहों में आयी और बालों से भरा ज़हीर का सीना हल्के हाथों से सहलाने लगी। ज़हीर भी करवट लेके आरती के मम्मे मसलने लगा। फिर आरती का हाथ अपने लंड पे रखते हुए ज़हीर बोला, "मेरी जानेमन... अब भी मेरा दिल भरा नहीं है... मेरा लंड फिरसे तुझे चोदना चाहता है... ज़रा मुँह में मेरा लंड लेके उसे गरम कर... ताकि फिर तुझे चोदूँ।" आरती उठके ज़हीर का पूरा लंड अच्छी तरह चाट के बोली, "मेरी चूत के राजा.. तूने मुझे इतना तगड़ा चोदा कि मज़ा आ गया पर अब मेरी चूत भी दोबारा चुदाई के लिए तड़प रही है। लेकिन थोड़ा सा रुक जा फिर फ्रैश होके मुझे चोद... वैसे भी मुझे इमत्याज़ से भी चुदवाना है। मेरी बेटी भी तो देखे कि उसकी माँ कैसे चुदासी बन के चुदवाती है।" ज़हीर आरती के निप्पल हल्के से खींचते हुए बोला, "बड़ी हरामी चूत है तू... साली... तो अब मुझसे नहीं चुदवाना है... लेकिन इमत्याज़ से बेटी के सामने चुदवाना चाहती है तू... बहनचोद तेरी जैसी बेशरम औरत नहीं देखी मैंने... ठीक है चल देखते हैं तेरी मादरचोद बेटी का क्या हाल किया है उस इमत्याज़ ने।"

Hindi Fonts By: SINSEX

आरती के चुदाई के नशे की तरह ही उसका शराब का नशा भी कम नहीं हुआ था। ज़हीर लड़खड़ाती हुई नंगी आरती को लेके हॉल में आया। उन्होंने देखा कि इमत्याज़ पूजा को कुत्तिया बनाके अब उसकी गाँड मारने के तैयारी में है। दोनों बेशरम माँ बेटी एक दूसरे को देख के मुस्कुराईं। माँ और बेटी आपस में खुल चुकी थीं इसलिए दोनों में से किसी को भी शरम नहीं थी। आरती पूजा के सामने जाके उसे किस करने लगी। इमत्याज़ तब पूजा की गाँड पे अपना लंड ज़ोर ज़ोर से रगड़के बोला, "साली रंडी की छिनाल बेटी... आज तू सही मायने में रंडी बनेगी। साली राजेश और अलताफ़ तुझे बराबर चोदते हैं तो फिर हमसे क्या झिझक...? तेरी माँ की चूत पूजा... आज के बाद तू मेरी रंडी बनके रहेगी और तेरी छिनाल माँ ज़हीर सर की... समझी?" ज़हीर पूजा के मम्मे मसलते हुए ललचाती नज़रों से पूजा को

देखते हुए बोला, "क्या इमत्याज़ अब तक तूने पूजा को चोदा नहीं? बहनचोद मैंने तो आरती को चोद भी दिया और अब दूसरे राऊँड की तैयारी करने आया था। यह बहनचोद आरती अब तुझसे अपनी बेटी के सामने चुदवाना चाहती है।" इसके पहले कि इमत्याज़ कुछ जवाब देता, आरती पूजा के मम्मे मसल रहे ज़हीर के हाथ को हल्के से मारते हुए हँसते हुए बोली, "साले कमीने... तूने अभी इस पूजा की माँ को इतनी चोद-चोद कर रंडी बना दिया... अब फिर बेटी को देख रहा है... हरामी जितनी कमीनी मुझे बोलता है... उतने ही कमीने तुम दोनों हो।"

आरती और ज़हीर की बात सुनके इमत्याज़ ने पूजा को छोड़ा और आरती को धक्का देके सोफ़े पे गिराते हुए खुद सोफ़े पे चढ़ गया और अपना लंड उसके मुँह में डालते हुए बोला, "छिनाल चूत... बहनचोद... साली एक तो तुझे हमने अपनी रंडी बनाया और हमको ही कमीना बोलती है? कुत्तिया... साली बेवड़ी... नशे में अपनी औकात मत भूल... तू और तेरी बेटी हमारी रंडियाँ हो। तुझे सर चोदने के लिए ले गये तब तेरी बेटी की चूत मैंने मारी और अब गाँड मारने जा रहा था। अब तू आयी है तो तुझे भी चोदके अपनी रंडी बनाऊँगा और ज़हीर सर पूजा को चोदके उसे अपनी छिनाल बनायेंगे।" ज़हीर नंगी पूजा को अपनी गोद में बिठा के उसके बदन से खेलते हुए आरती से बोला, "हरामज़ादी रँड... तेरी बेटी भी एकदम जवान और हसीन है... वैसे तुम माँ बेटी नहीं बल्कि एक दूसरे की बहन लगती हो... देख तेरी मादरचोद बेटी कैसे अपनी गाँड मेरे लंड पे रगड़ रही है। पूजा... तेरी माँ की चूत... मादरचोद चूत... तेरी माँ को इमत्याज़ कुत्तिया बनाके उसकी गाँड मारेगा... तू सोफ़े पे बैठके अपनी माँ के मम्मे मसलेगी और तेरी छिनाल माँ तेरी चूत चाटते हुए अपनी गाँड मरवायेगी और तू... हरामी मादरचोद रंडी... मेरा लंड चूसेगी... समझी?" पूजा यह सुनके खुश हुई कि उसकी माँ उसकी चूत चाटने वाली है और वोह तुरँत हाँ बोली। ज़हीर पूजा को खड़ी करके बोला, "इमत्याज़ की रंडी... अब चल तू आ मेरे साथ।" ज़हीर पूजा को पकड़के इमत्याज़ और आरती के पास ले गया और उसे सोफ़े पे बिठा

के उसकी टाँगें खोल दीम। फिर आरती को कुत्तिया जैसी झुका के उसका सिर पूजा की चूत पे दबाते हुए ज़हीर बोला, "सुन पूजा रंडी... तू अपनी माँ के मम्मों से खेल... तेरी यह रंडी माँ तेरी चूत चाटेगी और पीछे से इमत्याज़ तेरी माँ की गाँड मारेगा। मैं सोफ़े के पास खड़ा रहूँगा और तू मेरा लंड चूसेगी... समझी...? चल मादरचोद अपनी माँ के मम्मे मसलने शुरू कर।"

आरती बिल्कुल वैसा ही करने लगी जो ज़हीर कह रहा था। अब कमरे में दृश्य ऐसा था कि इमत्याज़ धीरे-धीरे करके अपना लंड आरती की गाँड में घुसाते हुए उसे चोद रहा था और आरती अपनी गाँड मरवाती हुई झुक के अपनी बेटी की चूत चाट रही थी। पूजा अपनी माँ से अपनी चूत चटवाती हुई आरती के मम्मों से खेल रही थी और साथ ही ज़हीर का लंड भी चूस रही थी। ज़हीर पूजा का मुँह चोदते-चोदते पूजा के मम्मों से खेल रहा था। बड़ी बेरहमी से वोह दोनों मुसलमान मर्द इन माँ बेटी की गाँड और मुँह चोद रहे थे। आरती बेशरम होके अपनी बेटी की चूत चाट रही थी और पूजा भी मस्ती से उसके मम्मे मसल रही थी। इमत्याज़ आरती की कमर पकड़के गाँड में ज़ोरदार धक्के मारते हुए बोला, "आहह... आरती तेरी गाँड तेरी बेटी जैसी लाजवाब है... साली जब तुझे ज़हीर सर के ऑफिस में जाते देखा था तबसे तुझे चोदने की तमन्ना हुई। उस दिन सर के ऑफिस में तेरी गाँड मारी तब मुझे सकून मिल... लेकिन जबसे तेरी बेटी को चोदा तबसे लंड को आरम ही नहीं मिलता। बहनचोद क्या मस्त रंडियाँ हो तुम माँ बेटी।" आरती पूजा की चूत चाटती हुई इमत्याज़ से पूरा लंड ले रही थी गाँड में। पूजा भी अब जोश में अपनी माँ के मम्मे मसलती हुई ज़हीर का लंड चूस रही थी।

ज़हीर आगे पीछे करते हुए पूरा लंड पूजा के मुँह में डालके उसे चोदते हुए बोला, "साली पूजा... रंडी की औलाद... तू भी अपनी माँ जैसी ही मस्त लंड चूसती है। आरती पहले तेरे मर्द ने और कोई अच्छा काम किया हो या नहीं पर साले ने तेरी जैसी गरम बीवी और पूजा जैसी कम्सिन चूत हमारे लिए यहाँ छोड़के जाने का अच्छा काम किया है। क्या मस्त गरम बेटी पैदा

की है तुम मियाँ–बीवी ने... साली आगे जाके तेरी बेटी तेरा नाम रोशन करेगी। मेरा लंड चूस छिनाल और अपनी माँ को इमत्याज़ से गाँड मरवाते भी देख।" इन माँ बेटी के साथ वोह दो मर्द बेरहमी से पेश आ रहे थे लेकिन यह बेरहमी उन माँ बेटी को अच्छी लग रही थी। सब गालियाँ और बेइज़्ज़ती उन्हें और चुदास बना रही थी और वोह माँ बेटी बेशरम हो के अपना बदन उनसे चुदवा रही थीं।

इमत्याज़ आरती की गाँड मारने के साथ–साथ उसकी गीली टपकती चूत में अँगुली रगड़ रहा था और आरती भी मस्ती से गाँड में इमत्याज़ का लंड ले रही थी और टाँगें फ़ैला के उसकी अँगुली से अपनी चूत को भी चुदवा रही थी। आरती दोनों हाथों से पूजा की कमर पकड़के अपनी कम्सिन जवान बेटी की चूत का पानी बड़ी प्यार से चाट रही थी। पूजा की चूत के दाने को हल्के से चबाती हुई आरती पूजा को और गरम कर रही थी। साँस लेने के लिए उसने मुँह पूजा की चूत से हटाया और बोली, "हम माँ बेटी के यारों... आज मेरी प्यारी बेटी और उसकी रंडी माँ को इतना चोदो कि पूजा राजेश और अलताफ़ को भूल जाये और मैं अपने बाकी यारों को। जब चाहो पूजा रंडी को कॉलेज में चोदना और जब दिल करे तो घर आके इस अपनी रखैल रंडी आरती को चोदना। तुम दोनों इसको चोदते रहोगे तो यह इधर उधर नहीं जायेगी, कॉलेज में अटेंडैंस और पढ़ाई भी इम्प्रूव करेगी और चूतिया लड़कों से अपनी जवानी बर्बाद नहीं करेगी।"

इमत्याज़ का लंड पिस्टन की तरह आरती की गाँड मार रहा था। अपनी माँ से चूत चटवाती पूजा अब झड़ने के करीब थी। वोह उत्तेजना से चिल्लाई, "माँ, मुझे राजेश और अल्ताफ़ ने कई बार चोदा... दोनों ने अक्सर एक साथ भी चोद मुझे... मगर जो मज़ा आज इन दोनों ने दिया वो कभी पहले नहीं मिला... अब जब मेरी पूरी बात खुल चुकी है तो मुझे कोई डर नहीं... मेरी प्यारी माँ... आरती।" पूजा की बात सुनके आरती पूरी जीभ पूजा की चूत में डालके उसकी चूत को चोदते हुए बोली, "हाँ मेरी छिनाल बेटी...

मुझे पता है। उस दिन जबसे इन दोनों ने मुझे कॉलेज में चोदा है तब से मेरी हालत भी एक चुदास कुतिया जैसी हो गयी है...। इनके लंड से चुदवाके मैंने तुझे भी इनसे चुदवाने का फ़ैसला किया। अब तो यह दोनों मर्दों की हम माँ बेटी रंडियाँ बन गयी हैं तो हमें कोई तकलीफ़ नहीं होगी।"

ज़हीर ने आरती की बात सुनके खुश हो के उसे किस किया। अब इमत्याज़ और ज़हीर भी झड़ने वाले थे। इमत्याज़ का तो पूरा लंड आरती की गाँड में घुसा हुआ था और गोटियाँ आरती की चिकनी गाँड पे टकरा रही थीं। ज़हीर भी झड़ने वाला था तो वोह पूजा को एक थप्पड़ मारते हुए बोला, "मादरचोद साली... कमीनी छिनाल... ज़रा ज़ोर से मेरा लंड चूस... बहनचोद झड़ते वक्त लंड कैसे चूसना चाहिए... तुझे तेरी छिनाल माँ ने सिखाया नहीं क्या?"

पूजा अपनी माँ के मम्मों को छोड़के अब ज़हीर का लंड पकड़ के पूरा लंड मुँह में लेकर ज़ोर-ज़ोर से चूसने लगी। ज़हीर का लंड पूजा के हलक से टकरा रहा था। फिर आरती ने ज़ोर-ज़ोर से अपनी बेटी के मम्मे मसलते हुए उसकी चूत चाटनी शुरू की। इमत्याज़ की अँगुलियों ने आरती की चूत को पागल कर रखा था और लंड ने आरती की गाँड का भोंसड़ा बना रखा था।

सबसे पहले पूजा झड़ने लगी तो उसने ज़हीर का लंड छोड़ा और अपनी माँ का मुँह चूत पे दबाते हुई पानी छोड़ने लगी। अपने बदन को अकड़ाते हुए पूजा ने पूरा पानी अपनी माँ के मुँह में चोड़ दिया। पूजा को आरती के मुँह में झड़ते देख इमत्याज़ से रहा नहीं गया और उसने आरती की कमर कसके पकड़ी और ८-१० धक्कों के बाद उसके लंड ने आरती की गाँड में पिचकारी छोड़ी। अपने लंड के पानी का आखिरी कतरा आरती की गाँड में डाल के इमत्याज़ ने लंड उसकी गाँड से निकाला और हाँफता हुआ नीचे लेट गया।

जब ज़हीर ने देखा कि पूजा पूरी तरह झड़ गयी है तो उसने अपना लंड फिरसे पूजा के मुँह में घुसाया और जल्दी–जल्दी उसका मुँह चोदते हुए आरती की चूत में अँगुली करने लगा। अब ज़हीर का लंड एक बेटी के मुँह में था और उसकी अँगुलियाँ उस लड़की की माँ की चूत में थीं। इतना समय चूत में अँगुली से चुद्वाने से आरती भी झड़ने लगी और फिर उसने अपना मुँह अपनी बेटी की चूत पे रखा और उसे चाटने लगी। देखते–देखते ज़हीर ने भी अपना पानी पूजा के मुँह में छोड़ दिया और सब लोग झड़के थक के अलग–अलग हो गये।

वोह पूरा दिन और पूरी रात वोह दोनों मर्द आरती के घर में ही रहे और पूरा वक्त चारों मादरजात नंगे थे। किसने, किसको, कैसे, कहाँ और कितनी बार चोदा इसकी गिनती ही नहीं थी।

।।।। समाप्त।।।।

Hindi Fonts By: SINSEX